Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

डाक पंजीयन संख्याः-एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15-17

हिन्दी दैनिक

मंत्र भारत

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 143
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00

लखनऊ-सोमवार,22 सितम्बर 2025

लखनऊ, प्रयागराज,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

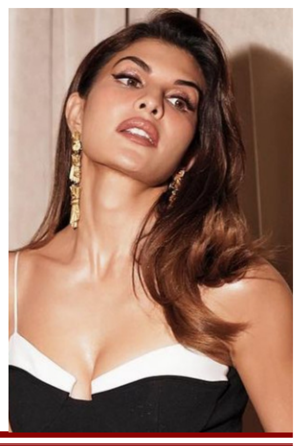

3 चिन्तन मंथन शिविर में निजीकरण का विकल्प खारिज

4 संविदा और बेरोजगारों के लिए आक्सीजन योगी

5 जैकलीन फर्नांडिस ने खटखटाया एससी का दरवाजा

जीएसटी रिफॉर्म से नए रोजगार का होगा सृजन, ये पीएम मोदी का देशवासियों को दिवाली गिफ्टः सीएम

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को हरी झंडी दिखाकर नमो मैराथन को रवाना किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि जीएसटी रिफॉर्म से नए रोजगार का सृजन होगा और हर व्यक्ति को आगे बढ़ने में मिलेगी मदद मिलेगी।

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दीपावली के उपहार के रूप में हर देश और प्रदेशवासी को जीएसटी रिफॉर्म का गिफ्ट दिया है। इससे जहां एक ओर जरूरी चीजें छात्रों के लिए शिक्षण सामग्री, दूध, दही, घी, पनीर, खाने की वस्तुओं में भारी छूट दी गयी है, वहीं दूसरी ओर नशे और फिजूलखर्ची पर भारी टैक्स लगाया गया है। युवाओं के सपनों को उड़ान देने के लिए बाइक, कार, घर, घर पर लगने वाले स्टील, सीमेंट आदि पर भी छूट दी गयी है। यह घोषणा 3 सितंबर को जीएसटी काउंसिल ने की थी, जिसे 22 सितंबर से पूरे देश में लागू किया जा रहा है। वहीं विजयदशमी पर हर गांव, हर कस्बे और हर जिले में युवाओं को बुराई के प्रतीक पाप, अत्याचार, भ्रष्टाचार, अन्याय और नशे का पुतला जलाना होगा। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने आवास पर रविवार को नशामुक्त भारत के लिए नमो युवा रन का शुभारंभ करते हुए कही। नमो मैराथन कालिदास मार्ग से शुरू होकर 1090 चौराहे तक जाएगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारत माता की जय के जयकारों से युवाओं को हौसला बढ़ाया। युवा शक्ति सेवा पखवाड़ा के तहत नमो मैराथन से जुड़ रही सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर देशवासियों से विकसित भारतह्व का संकल्प लेने और पंच प्रण के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया था। उन्होंने कहा था कि गुलामी के अंशों को समाप्त करना होगा, अपनी विरासत का सम्मान करना होगा, सेना व वदीर्धारी बलों के प्रति आदर रखना होगा, सामाजिक समता के निर्माण के लिए कार्य करना होगा और अपने नागरिक कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करना होगा। यही पंच प्रण भारतवासियों को विकसित भारत की यात्रा का सारथी बनाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की इसी प्रेरणा से उत्तर प्रदेश ने 'विकसित भारतझ्रविकसित उत्तर प्रदेश' अभियान को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया। अभियान को प्रदेश में युवाओं, किसानों, श्रमिकों, व्यापारियों और बुद्धिजीवियों का अपार समर्थन मिल रहा है। हर व्यक्ति अपने क्षेत्र में योगदान देने को तैयार है। आत्मनिर्भरता को विकसित होने की कुंजी बताते हुए उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर समाज स्वस्थ समाज से ही बनता है और ऐसे आयोजनों जैसे 'नमो मैराथन' से समाज को नई दिशा मिलती है। वर्ष 2014 के बाद प्रधानमंत्री ने देश में स्वास्थ्य और युवा कल्याण से जुड़े कई अभियानों को गति दी। विश्व योग दिवस को अंतरराष्ट्रीय मान्यता मिली, खेलो इंडिया, फिट इंडिया मूवमेंट, सांसद खेलकूद प्रतियोगिताएं जैसे अभियानों से युवाओं को प्रेरणा मिली। साथ ही मिशन रोजगार के जरिए युवाओं के लिए अवसर सुनिश्चित किए गए। आज वही युवा शक्ति सेवा पखवाड़ा के तहत 'नमो मैराथन' से जुड़ रही है।

प्रधानमंत्री मोदी का राष्ट्र के नाम संबोधन शुरू

कल से जीएसट का बचत उत्सव शुरू हो रहा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को संबोधित कर रहे हैं। पीएम मोदी का ये 'एड्रेस टू द नेशन' 22 सितबंर से देश में जीएसटी 2.0 की नई दरें लागू होने से पहले हो रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि कल से शक्ति की उपासना का पर्व नवरात्र का आरंभ हो रहा है। आप सभी को बहुत बहुत शुभकामनाएं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि नवरात्रि के पहले दिन से देश आत्मनिर्भर भारत अभियान के लिए एक और महत्वपूर्ण और बड़ा कदम उठा रहा है। कल, यानी नवरात्रि के प्रथम दिवस 22 सितंबर को सूर्योदय के साथ ही नेक्स्ट जेनरेशन GST रिफॉर्म लागू हो जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, कल से देश में 'जीएसटी बचत उत्सव' शुरू हो रहा है। आपकी बचत बढ़ेगी और आप अपनी पसंदीदा चीजें खरीद सकेंगे...'जीएसटी बचत उत्सव' से समाज के सभी वर्गों को लाभ होगा। आत्मनिर्भर भारत के परिप्रेक्ष्य में एक बड़ा कदम- पीएम मोदी पीएम मोदी ने देश को संबोधित करते हुए कहा- GST सुधारों का यह निर्णय आत्मनिर्भर भारत के परिप्रेक्ष्य में एक बड़ा कदम है। जीएसटी सुधार से देश के सभी वर्गों को फायदा होने जा रहा है। पहले की टैक्स प्रणाली में तरह तरह के टैक्स लगते थे, उससे देश के आम नागरिक का नुकसान होता था। हमने जनहित में देशहित में जीएसटी को अमल में लाया। अब देश दर्जनों टैक्स के जाल से मुक्त हो गया है। अब वन नेशन वन टैक्स का सपना साकार हो गया है।

पीएम मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन से पहले कांग्रेस उठाया सवाल,

पूछा, क्या भारत-पाक सीजफायर पर ट्रंप के दावों और एच1बी वीजा करेंगे बात

नईदिल्ली। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन से पहले रविवार को पूछा कि क्या वह अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत-पाकिस्तान युद्धविराम के दावों और एच1बी वीजा धारक लाखों भारतीयों की चिंताओं पर बात करेंगे या फिर नयी जीएसटी दरों के बारे में पहले से ज्ञात बातें दोहराएंगे। प्रधानमंत्री मोदी रविवार शाम पांच बजे राष्ट्र को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने यह जानकारी दी, लेकिन मोदी के संबोधन के विषय के बारे में कोई संकेत नहीं दिया। प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन नवरात्र की पूर्व संध्या पर होगा। 22 सितंबर से संशोधित जीएसटी दरें लागू होंगी और कई उत्पादों की कीमतों में कमी आने वाली है। कांग्रेस महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री राष्ट्र को संबोधित करने की तैयारी कर रहे हैं, वहीं वाशिंगटन डीसी में उनके अच्छे दोस्त ने एक बार फिर उनकी सुर्खियां छीन ली हैं और 42वीं बार दावा किया कि उन्होंने अमेरिका के साथ बढ़ते व्यापार का फायदा उठाकर ऑपरेशन सिंदूर को रोक दिया। रमेश ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ये दावे न केवल अमेरिका में बल्कि सऊदी अरब, कतर और ब्रिटेन में भी किए हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, क्या प्रधानमंत्री इन दावों पर बात करेंगे और भारत-अमेरिका के लगातार बिगड़ते रिश्तों पर बोलेंगे? क्या वे लाखों भारतीय एच1बी वीजा धारकों की चिंताओं का समाधान करेंगे? क्या वह

उन करोड़ों किसानों और मजदूरों को कोई भरोसा देंगे, जिनकी आजीविका उनके मित्र द्वारा लगाए गए टैरिफ की वजह से खतरे में है? या फिर वह नई जीएसटी दरों के बारे में वही दोहराएंगे, जो हम सभी जानते हैं- जिन्हें हताशा में तैयार किया गया था और जो कल से लागू हो रही हैं।ह्वअमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने एच1बी गैर-आप्रवासी वीजा वार्षिक शुल्क में भारी वृद्धि कर उसे 1,00,000 अमेरिकी डॉलर करने का आदेश दिया, जिसे कुशल भारतीय पेशेवरों पर भारी असर डालने वाले एक कदम के रूप में देखा जा रहा है।

जयपुर में सीएम भजनलाल ने नमो युवा रन मैराथन को दिखाई हरी झंडी

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राष्ट्रव्यापी सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत राजधानी जयपुर में रविवार सुबह नमो युवा रन मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया इस अवसर पर सीएम शर्मा ने भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा आयोजित 'नमो युवा रन - नशा मुक्त भारत के लिए' कार्यक्रम को अमर जवान ज्योति से संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में हमारी सरकार राजस्थान को स्वस्थ, समृद्ध और नशामुक्त बनाने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

राहुल ने बिहार के पूर्व सीएम भोला पासवान की जयंती पर उन्हें नमन किया

वायनाड। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने स्वतंत्रता सेनानी और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री भोला पासवान शास्त्री को आज उनकी 111वीं जयंती पर नमन किया। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और महान स्वतंत्रता सेनानी भोला पासवान शास्त्री को उनकी जयंती पर नमन करता हूं। दलित समाज से जुड़े दिवंगत भोला पासवान जी सच्चे कांग्रेसी, ईमानदारी नेता और समर्पित गांधीवाधी नेता थे, जो हमेशा सामाजिक न्याय, शिक्षा और समान अवसरों के लिये आवाज उठाते थे।

तेजस्वी यादव ने एक बार फिर पीएम मोदी की दिवंगत माता का किया अपमान

सम्राट चौधरी बोले यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण...

पटना। बिहार मेंइस वर्ष के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले सियासी सरगर्मी तेज होने के बीच भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को आरोप लगाया कि राजद नेता तेजस्वी यादव की बिहार अधिकार यात्रा के दौरान उनके समर्थकों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दिवंगत मां को गालियां दीं। पिछले महीने प्रदेश के दरभंगा जिले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा के लिए बनाए गए मंच से एक व्यक्ति ने प्रधानमंत्री की दिवंगत मां के लिए कथित तौर पर अपशब्द कहे थे। भाजपा नेता और प्रदेश के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अपने एक्स हैंडल से एक वीडियो साझा करते हुए लिखा, तेजस्वी

यादव ने एक बार फिर मोदी जी की दिवंगत माता का अपमान किया है। चौधरी ने लिखा, तेजस्वी ने बिहार की संस्कृति को फिर से तार-तार किया है। राजद कार्यकर्ता जितनी गालियां दे सकते थे, दे रहे थे और तेजस्वी उन्हें प्रोत्साहित कर रहे थे। बिहार की माताएं-बहनें इस गुंडागर्दी वाली मानसिकता और अभद्र व्यवहार का हिसाब जरूर करेंगी। भाजपा नेता ने आगे कहा, यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और लोकतंत्र का बड़ा अपमान है। क्या अब माताओं और बहनों का अपमान करना विपक्षी दलों की संस्कृति और हथियार बन गया है? बिहार की जनता इस गंदी राजनीति को भली-भांति समझती है और लोकतांत्रिक तरीके से जवाब देगी। चौधरी ने आगे कहा, यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और लोकतंत्र का घोर अपमान है। क्या माताओं-बहनों का अपमान करना उनकी संस्कृति और विपक्षी दलों को जवाब देने का हथियार बन गया है? बिहार की जनता इस गंदी राजनीति को अच्छी तरह समझती है और लोकतांत्रिक तरीके से इसका जवाब देगी। प्रदेश के एक अन्य उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने भी एक्सश पर पोस्ट में लिखा, तेजस्वी यादव की यात्रा के दौरान एक बार फिर प्रधानमंत्री जी की दिवंगत माता के लिए अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया।

शारदीय नवरात्र को लेकर वैष्णो देवी मंदिर में उत्सव का माहौल, सुरक्षा के कड़े इंजताम

कटरा/जम्मू। जम्मू कश्मीर के रियासी जिले में त्रिकुट्य पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर को रविवार को शारदीय नवरात्र की पूर्व संध्या पर फूलों से सजाया गया है जिससे अगले नौ दिनों में आने वाले हजारों श्रद्धालुओं के लिए उत्सव का माहौल बन गया है। अधिकारियों ने बताया कि माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड (एसएमवीडीएसबी) ने भी तीर्थयात्रियों का मार्गदर्शन करने, भारी भीड़ का प्रबंधन करने और 12 किलोमीटर लंबे यात्रा मार्ग पर सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए स्वयंसेवकों को तैनात किया है। उन्होंने कहा कि देश के विभिन्न भागों से आने वाले पर्यटकों को आरामदायक तीर्थयात्रा का अनुभव प्रदान करने के लिए पेयजल, चिकित्सा सहायता और भीड़ प्रबंधन उपायों सहित अतिरिक्त सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। छब्बीस अगस्त को मूसलाधार बारिश के बीच मार्ग पर हुए विनाशकारी भूस्खलन के कारण 22 दिनों तक स्थगित रहने के बाद इस पवित्र तीर्थस्थल की तीर्थयात्रा 17 सितंबर को पुनः शुरू हुई थी। इस भूस्खलन में 34 लोगों की मौत हो गई थी और 20 अन्य घायल हो गए थे। 22 सितंबर से एक अक्टूबर तक चलने वाले नवरात्र, देवी दुर्गा की उपासना के लिए समर्पित है और इसका माता वैष्णो देवी मंदिर में विशेष महत्व है, जहां इस दौरान सबसे अधिक तीर्थयात्री आते हैं। श्रद्धालु भजन गाते और प्रार्थना करते समृद्धि और कल्याण का आशीर्वाद मांगते हुए, चढ़ाई चढ़ते हैं। एसएमवीडीएसबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सचिन कुमार वैश्य ने कहा, मंदिर बोर्ड त्योहार के दौरान श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए पूरी तरह तैयार है। सुरक्षा समेत सभी इंतजाम पूरे कर लिए गए हैं। श्रद्धालुओं को बेहतर अनुभव प्रदान करने के लिए 'भवन' (गर्भगृह) सहित पूरे मार्ग को पहले की तरह अतिरिक्त सीढ़ियों से सजाया गया है। उन्होंने बताया कि हेल्प डेस्क के अलावा, इस साल पूरे मार्ग पर श्रद्धालुओं का मार्गदर्शन करने और उनके सवालों के जवाब देने के लिए स्वयंसेवकों को तैनात किया गया है।

तेलंगाना सीएम ने वास्तु दोष के कारण सचिवालय छोड़ापुलिस कमांड सेंटर से काम कर रहे

हैदराबाद। इन दिनों तेलंगाना के सबसे युवा मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी (55 साल) राज्य सचिवालय की नई बिल्डिंग में नहीं बैठ रहे हैं। सीएम अपने सभी काम बंजारा हिल्स स्थित हाई सिक्योरिटी वाले तेलंगाना पुलिस कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से कर रहे हैं। इसकी वजह सचिवालय की नई बिल्डिंग में मौजूद कुछ वास्तु दोष हैं। रेवंत से जुड़े एक वरिष्ठ अफसर ने बताया कि 650 करोड़ रुपए में बनी इस 7 मंजिला इमारत में सीएम का भव्य दफ्तर है। मंत्रियों, मुख्य सचिवों समेत शीर्ष नौकरशाहों के भी दफ्तर यहीं हैं। नई इमारत तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री और भारत राष्ट्र समिति के प्रमुख के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के समय तैयार हुई। उन्होंने 30 अप्रैल 2023 को इसका उद्घाटन किया। लेकिन, दिसंबर में वे विधानसभा चुनाव

हार गए और रेवंत सीएम बन गए। केसीआर ने भी वास्तु एक चलते ही नए सेक्रेट्रिएट का निर्माण कराया था। उनका मानना था कि पुराने सेक्रेट्रिएट की बिल्डिंग वास्तु के अनुसार नहीं बनी थीं। बतौर सीएम अपने दो कार्यकाल में वे करीब 24 बार ही पुराने सेक्रेट्रिएट आए थे। वे ज्यादातर काम अपने कैंप ऑफिस-सह-आवास प्रगति भवन से ही करते थे। कांग्रेस के अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि पहले इमारत का मेन एंट्रेंस गेट पहले पूर्व दिशा की ओर था, लेकिन इसे बंद करके दक्षिण-पूर्व में कर दिया गया। जबकि केसीआर शुरूआत में पूर्व से ही एंट्री करते रहे हैं, लेकिन उन्होंने बीते विधानसभा चुनाव से ठीक पहले पूर्व की एंट्री बंद करा दी थी। रेवंत के करीबी बताते हैं कि सीएम बनने के बाद से ही नई इमारत में रेवंत को बार-बार अशांति महसूस हो रही थी। जांच हुई तो वास्तु दोष पकड़ में आए।

संक्षिप्त खबरे

चंबा में कार के रावी नदी में गिर जाने से एक व्यक्ति की मौत, लड़की बही

हिमाचल प्रदेश। पुलिस ने बताया कि पुलिस ने इशिका का पता लगाने के लिए जिला प्रशासन के साथ एक संयुक्त अभियान शुरू किया है। चंबा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अभिषेक यादव ने कहा कि घटना के कारण का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में शनिवार देर रात एक कार के रावी नदी में गिर जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि एक लड़की नदी में बह गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि चंबा-पठानकोट मार्ग पर परेल गांव के पास देर रात करीब ढाई बजे हुई इस दुर्घटना में दो व्यक्ति घायल भी हो गए। पुलिस के अनुसार, हमीरपुर निवासी अखिलेश, शिमला निवासी रिशांत, सोलन निवासी दिव्यांश और शिमला निवासी इशिका- चंबा स्थित पंडित जवाहर लाल नेहरू राजकीय मेडिकल कॉलेज में प्रशिक्षु थे। रात में ये लोग साथ में सफर कर रहे थे और रास्ते में चालक ने वाहन पर से अपना नियंत्रण खो दिया जिसके कारण कार रावी नदी में गिर गई।

अदालत ने हत्या मामले में दोषी व्यक्ति की मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदला

नई दिल्ली। न्यायालय ने कहा कि यद्यपि यह एक जघन्य अपराध था लेकिन यह दुर्लभतम श्रेणी में नहीं आता और राज्य सरकार यह सिद्ध नहीं कर सकी कि दोषी में सुधार की कोई गुंजाइश नहीं है। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने ठगी से जुड़े हत्या के एक मामले में दोषी व्यक्ति की मौत की सजा को कम करके बिना किसी छूट के 40 साल तक के कारावास में बदल दिया। दोषी व्यक्ति पर आरोप था कि उसने बेटी के इलाज का झूठा वादा करके एक महिला से एक लाख रुपये ठगे और जब इसका खुलासा हुआ तो दोनों की हत्या कर दी। सुनील दास उर्फ गुरुदेव नामक व्यक्ति ने यज्ञ करने के नाम पर 83,000 रुपये लिए लेकिन वह लड़की को ठीक नहीं कर पाया जो आग में झुलस गई थी। अगस्त 2023 में बीरभूम जिले के रामपुरहाट सत्र न्यायालय ने दास को बलात्कार, हत्या और सबूतों को गायब करने का दोषी पाया था। निचली अदालत ने उसे 17 मई 2020 को दो महिलाओं की हत्या करने के लिए मौत की सजा, बेटी से बलात्कार के लिए आजीवन कारावास और सबूतों को गायब करने के लिए सात साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई थी।

सूरत में व्हेल मछली की उल्टी बेचने वाला पकड़ाया

भावनगर में समुद्र किनारे मिला था 6 किलो एम्बरग्रीस

सूरत। गुजरात में सूरत पुलिस ने स्पर्म व्हेल की उल्टी यानी एम्बरग्रीस के साथ एक शख्स को गिरफ्तार किया है। इस दुर्लभ और बहुमूल्य पदार्थ की मात्रा 2.904 किलोग्राम है, जिसकी इंटरनेशनल मार्केट में अनुमानित कीमत 5.72 करोड़ रुपए है। पुलिस के मुताबिक आरोपी विपुल खेती करता है और उसे एंटीक चीजों संग्रहण करने का शौकीन और जानकार भी है। यही कारण था कि समुद्र किनारे मिला यह मोम जैसा पदार्थ वह पहचान सका और बेचने की फिराक में था। एंबरग्रीस की अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारी कीमत इसे तस्करों का पसंदीदा बनाती है। हालांकि भारत समेत कई देशों में यह पूरी तरह गैरकानूनी है। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि करीब चार महीने पहले उसे भावनगर के हाथब गांव के समुद्र किनारे यह पदार्थ मिला। शुरूआत में उसे इसकी सही कीमत का अंदाजा नहीं था, लेकिन जानकारी जुटाने के बाद वह समझ गया कि यह करोड़ों का खजाना है। उसने भावनगर में इसे बेचने की कोशिश की, पर खरीदार न मिलने पर सूरत पहुंचा। यहां किसी ग्राहक तक पहुंचने से पहले ही पुलिस ने उसे धर दबोचा।

मुख्यालय/गोरखपुर स्थित निर्माण संगठन कार्यालय के प्रांगण में पौधारोपण करते हुये मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण अभय कुमार गुप्ता

गोरखपुर,: रेल यात्रियों को स्वच्छ एवं साफ सुथरा वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर, 2025 तक ह्यस्वच्छता ही सेवाह्य अभियान के पाँचवें दिन 21 सितम्बर, 2025 को पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ, वाराणसी, इज्जतनगर मंडलों के प्रमुख स्टेशनों पर स्वच्छता सम्बन्धी अनेक कार्यक्रम आयोजित किये गये। इस दौरान स्टेशनों, कार्यालय, प्रतीक्षालय, कार्यालयों तथा ट्रैक के दोनों किनारों की साफ-सफाई तथा पौधारोपण किया गया। 21 सितम्बर, 2025 को लखनऊ मंडल पर मंडल रेल प्रबन्धक श्री गौरव अग्रवाल के मार्गदर्शन में वृहद पौधारोपण किया गया। गोरखपुर, लखनऊ जं. ऐशबाग, बस्ती, गोंडा, खलीलाबाद आदि स्टेशनों एवं कार्यालयों में पौधारोपण किया गया और रेलवे ट्रैक, प्लेटफॉर्म, कायालयों, यात्री प्रतीक्षालयों तथा रेल परिसर की सफाई की गई एवं स्टेशनों पर सूखे एवं गीले कचरे के पृथक्करण हेतु डस्टबिन का प्रावधान किया गया। यात्रियों को बोतल क्रशर मशीन का उपयोग करने हेतु जागरूक किया गया। वाराणसी मंडल पर मंडल रेल प्रबन्धक श्री आशीष जैन के मार्गदर्शन में ह्यस्वच्छता ही सेवाह्य अभियान के अन्तर्गत पौधारोपण किया गया। प्रमुख स्टेशनों पर स्वच्छता सम्बन्धित नारों, पोस्टर एवं बैनर के माध्यम से कर्मचारियों एवं यात्रियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान यात्रियों को बोतल क्रशर मशीन का उपयोग करने तथा स्टेशन परिसर एवं ट्रेनों में स्वच्छता को बनाये रखने हेतु जागरूक किया गया। स्टेशनों पर लगे डस्टबिन की सफाई की गई तथा सूखे एवं गीले कचरे के पृथक्करण हेतु अलग-अलग डस्टबिन का प्रावधान किया गया एवं स्वास्थ्य निरीक्षकों द्वारा वाटर बूथ पर पानी की गुणवत्ता की जाँच की गई। इज्जतनगर मंडल पर मंडल रेल प्रबन्धक सुश्री वीणा सिन्हा के मार्गदर्शन में प्रमुख स्टेशनों के समपार फाटकों पर रेल अधिकारियों, कर्मचारियों एवं स्काउट एवं गाइड के सदस्यों द्वारा पौधारोपण किया गया। रूद्रपुर, लालकुआँ, बरेली सिटी, कासगंज स्टेशनों पर रेलवे ट्रैक तथा डस्टबिन की सफाई की गई और सूखे एवं गीले कचरे के पृथक्करण हेतु अतिरिक्त डस्टबिन का प्रावधान किया गया। स्टेशन परिसर, प्रतीक्षालयों, सकुर्लेटिंग एरिया आदि की सफाई की गई।

रेलवे प्रशासन द्वारा तकनीकी कारणों से गाड़ियों का निरस्तीकरण, शार्ट टर्मिनेशन/शार्ट ओरिजिनेशन निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा तकनीकी कारणों से गाड़ियों का निरस्तीकरण, शार्ट टर्मिनेशन/शार्ट ओरिजिनेशन निम्नवत किया जायेगा।

निरस्तीकरण-

1.छपरा से 06 एवं 13 अक्टूबर, 2025 को चलने वाली 05193 छपरा-शहीद कप्तान तुषार महाजन (उधमपुर) विशेष गाड़ी तथा शहीद कप्तान तुषार महाजन (उधमपुर) से 01, 08 एवं 15 अक्टूबर, 2025 को चलने वाली 05194 शहीद कप्तान तुषार महाजन (उधमपुर)-छपरा विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी।

2.काठगोदाम से 07 एवं 14 अक्टूबर, 2025 को चलने वाली 12207 काठगोदाम-जम्मूतवी एक्सप्रेस तथा जम्मूतवी से 05 एवं 12 अक्टूबर, 2025 को चलने वाली 12208 जम्मूतवी-काठगोदाम एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

3.गाजीपुर सिटी से 03 एवं 10 अक्टूबर, 2025 को चलने वाली 14611 गाजीपुर सिटी-श्री माता वैष्णो देवी कटरा एक्सप्रेस तथा श्री माता वैष्णो देवी कटरा से 02 एवं 09 अक्टूबर, 2025 को चलने वाली 14612 श्रीमाता वैष्णों देवी कटरा-गाजीपुर सिटी एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

4.भागलपुर से 25 सितम्बर, 2025 को चलने वाली 15097 भागलपुर-जम्मूतवी एक्सप्रेस तथा जम्मूतवी से 23 सितम्बर, 2025 को चलने वाली 15098 जम्मूतवी-भागलपुर एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

5.काठगोदाम से 06 एवं 13 अक्टूबर, 2025 को चलने वाली 12210 काठगोदाम-कानपुर सेंट्रल एक्सप्रेस तथा कानपुर सेंट्रल से 07 एवं 14 अक्टूबर, 2025 को चलने वाली 12209 कानपुर सेंट्रल-काठगोदाम एक्सप्रेस निरस्त रहेगी। 6.गोरखपुर से 22 सितम्बर, 2025 को चलने वाली 12587 गोरखपुर-जम्मूतवी एक्सप्रेस तथा जम्मूतवी से 27 सितम्बर, 2025 को चलने वाली 12588 जम्मूतवी-गोरखपुर एक्सप्रेस निरस्त रहेगी। 7.जम्मूतवी से 23 सितम्बर, 2025 को चलने वाली 12598 जम्मूतवी-भागलपुर एक्सप्रेस तथा भागलपुर से 25 सितम्बर, 2025 को चलने वाली 12597 भागलपुर-जम्मूतवी एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

एस.एल.आर./डी. के 02 कोचों सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी दशहरा, दीवाली एवं छठ त्यौहारों पर यात्रियों की मांग को ध्यान में रखते हुये 04823/04824 जोधपुर-मऊ-जोधपुर साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी जोधपुर से 28 सितम्बर से 30 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक रविवार को तथा मऊ से 30 सितम्बर से 02 दिसम्बर, 2025 तक प्रत्येक मंगलवार को 10 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 04823 जोधपुर-मऊ साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 28 सितम्बर से 30 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक रविवार को जोधपुर से 17.30 बजे प्रस्थान कर पीपाड़ रोड से 18.10 बजे, गोटन से 18.40 बजे, मेड़ता रोड से 19.05 बजे, रेन से 19.24 बजे, डेगाना से 19.48 बजे, मकराना से 20.23 बजे, कूचामन सिटी से 20.38 बजे, नावा सिटी से 20.55 बजे, फुलेरा से 21.52 बजे, जयपुर से 23.10 बजे, गांधी नगर जयपुर से 23.24 बजे, दूसरे दिन बाँदीकुई से 00.45 बजे, मण्डावर महुआ रोड से 01.10 बजे, खेड़ली से 01.27 बजे, नदबई से 01.44 बजे, भरतपुर से 02.10 बजे, मथुरा जं. से 04.05 बजे, हाथरस सिटी से 04.55 बजे, कासगंज से 06.05 बजे, फरुर्खाबाद से 08.15 बजे, कन्नौज से 09.17 बजे, कानपुर सेंट्रल से 12.00 बजे, लखनऊ (उत्तर रेलवे) से 13.40 बजे, अयोध्या धाम जं. से 17.15 बजे, शाहगंज से 21.00 बजे, खोरासन रोड से 21.32 बजे, आजमगढ़ से 22.15 बजे तथा मुहम्मदाबाद से 22.47 बजे छूटकर मऊ 23.20 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 04824 मऊ-जोधपुर साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 30 सितम्बर से 02 दिसम्बर, 2025 तक प्रत्येक मंगलवार को मऊ से 04.00 बजे प्रस्थान कर मुहम्मदाबाद से 04.32 बजे, आजमगढ़ से 05.05 बजे, खोरासन रोड से 05.47 बजे, शाहगंज से 06.40 बजे, अयोध्या धाम जं. से 09.20 बजे, लखनऊ (उत्तर रेलवे) से 12.10 बजे, कानपुर सेंट्रल से 14.00 बजे, कन्नौज से 15.05 बजे, फरुर्खाबाद से 16.12 बजे, कासगंज से 18.00 बजे, हाथरस सिटी से 19.02 बजे, मथुरा जं. से 20.20 बजे, भरतपुर से 21.57 बजे, नदबई से 23.40 बजे, खेड़ली से 23.57 बजे, दूसरे दिन मण्डावर महुआ रोड से 00.15 बजे, बाँदीकुई से 01.22 बजे, गांधी नगर जयपुर से 02.28 बजे, जयपुर से 03.00 बजे, फुलेरा से 04.00 बजे, नावा सिटी से 04.36 बजे, कूचामन सिटी से 04.51 बजे, मकराना से 05.05 बजे, डेगाना से 05.40 बजे, रेन से 06.04 बजे, मेड़ता रोड से 06.25 बजे, गोटन से 06.45 बजे तथा पीपाड़ रोड से 07.10 बजे छूटकर जोधपुर 08.55 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 04, शयनयान श्रेणी के 08, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 04 तथा एस.एल.आर./डी. के 02 कोचों सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे।

2025 तक प्रत्येक शुक्रवार को 09 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी दशहरा, दीवाली एवं छठ त्यौहारों पर यात्रियों की मांग को ध्यान में रखते हुये 04829/04830 जोधपुर-गोरखपुर-जोधपुर साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी जोधपुर से 02 अक्टूबर से 27 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक बृहस्पतिवार को तथा गोरखपुर से 03 अक्टूबर से 28 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक शुक्रवार को 09 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 04829 जोधपुर-गोरखपुर साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 02 अक्टूबर से 27 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक बृहस्पतिवार को जोधपुर से 16.15 बजे प्रस्थान कर मेड़ता रोड से 17.40 बजे, डेगाना से 18.18 बजे, छोटी खाटू से 18.45 बजे, डीडवाना से 19.24 बजे, लाडनूं से 20.00 बजे, सुजानगढ़ से 20.13 बजे, रतनगढ़ से 21.35 बजे, चूरू से 22.25 बजे, सादुलपुर से 23.45 बजे, दूसरे दिन लोहारु से 00.30 बजे, महेन्द्रगढ़ से 01.07 बजे, रेवाड़ी से 02.40 बजे, गुड़गाँव से 03.28 बजे, दिल्ली छावनी से 03.45 बजे, दिल्ली से 04.45 बजे, गाजियाबाद से 05.50 बजे, मुरादाबाद से 08.25 बजे, बरेली से 09.56 बजे, लखनऊ (उत्तर रेलवे) से 14.30 बजे, अयोध्या कैंट से 16.40 बजे, अयोध्या धाम जं. से 17.05 बजे, मनकापुर से 18.20 बजे, बस्ती से 19.07 बजे तथा खलीलाबाद से 19.31 बजे छूटकर गोरखपुर 20.50 बजे पहुँचेगी।

भारतीय रेलवे ने शुरू की समयबद्ध कार्गो सेवाएँ, बढ़ाई माल परिवहन की गति

गोरखपुर : भारतीय रेलवे ने माल परिवहन क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब समय-सारणी आधारित, वस्तु-विशेष कार्गो सेवाएँ शुरू की गई हैं, जो उत्तर भारत के प्रमुख उत्पादन और खपत केंद्रों को जोड़ती हैं। इन सेवाओं का उद्देश्य ग्राहकों की संतुष्टि बढ़ाना, भरोसेमंद ट्रांज़िट समय सुनिश्चित करना और उद्योग-आधारित लॉजिस्टिक्स समाधान प्रदान करना है। नई सेवाओं में शामिल हैंः अन्नपूर्णा सेवाः लुधियाना से वाराणसी तक, 704 किमी, खाद्य अनाज का 17 घंटे में परिवहन। गति-वाहन सेवाः फर्रुख नगर (हरियाणा) से लखनऊ तक, 557 किमी, ऑटोमोबाइल्स का 28 घंटे में परिवहन, पहले 70 घंटे लगते थे। निर्यात कार्गो सेवाः गढ़ी से मुन्द्रा पोर्ट तक, 1061 किमी, कंटेनर का 32 घंटे में परिवहन। अनंतनाग सीमेंट कार्गो सेवाः रूपनगर से अनंतनाग, 586 किमी, सीमेंट का 31 घंटे में परिवहन। इन सेवाओं की योजना बनाने में ऋछक ऑटोमोबाइल ऑपरेटर, कंटेनर ट्रेन ऑपरेटर और पड़ोसी रेलवे जोन सहित सभी

फ्रेट स्टेकहोल्डर्स के साथ व्यापक समन्वय किया गया। प्रारंभ में ये सेवाएँ परीक्षण के रूप में शुरू हुई थीं, लेकिन अब यह पूरी तरह से स्थिर और कुशल रूप से संचालित हो रही हैं। रही। ऋछकने अन्नपूर्णा सेवा की सराहना की, जिससे पंजाब और हरियाणा के अधिशेष क्षेत्रों से उत्तर प्रदेश के कमी वाले क्षेत्रों तक खाद्य अनाज की आपूर्ति में सुधार हुआ। मारुति सुजुकी ने गति-वाहन सेवा के तहत ट्रांज़िट समय 70 घंटे से घटकर 28 घंटे होने की जानकारी दी, जिससे रोड ट्रांसपोर्ट के बराबर डिलीवरी सुनिश्चित हुई। निर्यातक रिपोर्ट कर रहे हैं कि निर्यात कार्गो सेवा के जरिए मुन्द्रा पोर्ट तक 40 घंटे से कम में माल पहुँच रहा है, जिससे पोर्ट और शिपिंग कंपनियों के साथ समय पर समन्वय संभव हुआ। सीमेंट कंपनियों ने अनंतनाग सीमेंट कार्गो सेवा और अनंतनाग गुड्स शेड के उद्घाटन का स्वागत किया, जिससे रेक डिस्पैच और ट्रक संचालन बेहतर हुए। समयबद्ध ट्रेन आगमन और प्रस्थान की जानकारी के साथ, ये सेवाएँ कॉन्साइनर्स और कन्सिग्नी दोनों के लिए बेहतर लॉजिस्टिक्स योजना बनाने में मदद कर रही हैं, जिससे पूवार्नुमान और दक्षता बढ़ रही है। भारतीय रेलवे उद्योग, व्यापार और क्षेत्रीय विकास को समर्थन देते हुए विश्वस्तरीय, भरोसेमंद माल परिवहन सेवाएँ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

शिक्षकों ने प्रभारी बीएसए को सौंपा ज्ञापन

बस्ती। शनिवार को बीएसए कार्यालय पर शिक्षकों के प्रतिनिधिमंडल ने प्रभारी बीएसए विनोद कुमार त्रिपाठी को ज्ञापन सौंपा। जिला अध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल के नेतृत्व में दो प्रमुख मुद्दों पर त्वरित कार्रवाई की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया है कि रामरेखा चौधरी, प्रभारी प्रधानाध्यापक प्राथमिक विद्यालय खोरिया, वर्तमान में गंभीर स्वास्थ्य स्थिति से जूझ रही हैं और उनका इलाज लखनऊ के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। इसलिए उनके बकाया वेतन का तत्काल भुगतान किया जाए। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि जनपद के सभी विद्यालयों में प्रधानाध्यापक और प्रभारी प्रधानाध्यापकों के वेतन ड्राप-बॉक्स खाली न करने और बार-बार वेतन रोकने की घटनाओं के कारण प्रभावित हो रहे हैं। शिक्षकों ने स्पष्ट किया कि उनका कार्य केवल गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करना है, जबकि ड्राप-बॉक्स को खाली करना विभाग के कम्प्यूटर ऑपरेटर और अभिभावकों की जिम्मेदारी है। इसलिए उन्हें अनावश्यक कार्यों में न लगाया जाए और कोई वेतन रोकने की कार्रवाई न की जाए। ज्ञापन सौंपने वालों में जिला कोषाध्यक्ष अभय सिंह यादव, जिला संगठन मंत्री मारुफ खान, ब्लॉक मंत्री विजय प्रताप वर्मा, ब्लॉक मंत्री गौर विनोद यादव, ब्लॉक उपाध्यक्ष प्रमोद पासवान, शिक्षक राम गोपाल पाठक आदि शामिल रहे।

मुर्गे के लिए 500 रुपये न देने पर बेटे को पीटा, बचाने गई मां की हत्या

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले में महिला की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। वह अपने बेटे को

बचाने गई थी। मनबढ़ों ने उसे सड़क पर गिरा कर मारा। बेटे को भी पीटा। पुलिस मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है। कासिमाबाद कोतवाली क्षेत्र के पाली गांव में बीती रात 11 बजे मुर्गा खाने के लिए 500 रुपये नहीं देने पर मनबढ़ों ने युवक पर जानलेवा हमला कर दिया। बेटे की आवाज सुनकर बीच-बचाव करने गई मां की आरोपियों ने पीटकर हत्या कर दी। प्रभारी तहसीलदार कौशल चौरसिया समझाने-बुझाने और कार्रवाई के आश्वासन पर पुलिस शव को कब्जे में ले सकी। मृतका के पुत्र ने दो आरोपियों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कराया। फिलहाल पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। पाली गांव निवासी विधिचंद प्रजापति ने बताया कि वह राजस्थान में रोजी-रोटी के लिए काम करते हैं। पांच दिन पूर्व घर आए और निर्माण कार्य करा रहे हैं। लाइट की आपूर्ति बाधित होने पर गुरुवार की रात मोबाइल चार्ज कराने गए थे। मोबाइल चार्ज होने पर घर लौटते समय रात करीब 11 बजे घर के पास पहुंचते ही गांव के ही अश्वनी राय तथा छोटू राय नशे में मिले। वे दोनों मुर्गा खाने के लिए 500 रुपये मांगने लगे। जब पैसा देने से इन्कार कर दिया तो दोनों पीटने लगे। परिजनों में मचा कोहराम शोर मचाने पर मां मंशा देवी (50) वहां पहुंचकर बीच-बचाव करने लगीं। इस पर आरोपियों ने मां पर हमला कर दिया। इससे वह सड़क पर गिर गईं और सिर में गंभीर चोट आने से उनकी मौत हो गई। वारदात को अंजाम देकर दोनों आरोपी भाग गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस पहुंच गई और छानबीन में जुट गई। शुक्रवार की सुबह छह बजे पुलिस शव को कब्जे में लेने का प्रयास करने लगी तो ग्रामीण आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग और एसडीएम को मौके पर बुलाने की जिद पर अड़ गए। जानकारी पर पहुंचे प्रभारी तहसीलदार कौशल चौरसिया ने ग्रामीणों और परिजनों को समझा-बुझाकर और आश्वासन देकर शांत कराया। इसके बाद सुबह 11 बजे पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। कासिमाबाद कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक नंद कुमार तिवारी ने बताया कि विधिचंद प्रजापति ने गांव के ही अश्वनी राय तथा छोटू राय के खिलाफ तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया है। दोनों की तलाश की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है

महिलाओं को दिलाई स्वच्छता की शपथ

बस्ती। भाजपा की ओर से चलाए जा रहे सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत ब्लॉक मुख्यालय पर शनिवार को महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस दौरान भाजपा महिला मोर्चा की पदाधिकारियों ने महिलाओं को स्वच्छता की शपथ दिलाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला मोर्चा की मंडल अध्यक्ष अनीता चौहान ने की। इस दौरान डॉ. रोली सिंह एवं रंजना पांडेय ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री महिलाओं के सम्मान की चिंता कर रहे हैं। महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए विभिन्न योजनाएं भी उनके नेतृत्व में चल रही हैं। इस मौके पर अंकित पांडेय, विवेकानंद शुक्ला, अखिलेश शुक्ल, गिरजेश पाल, जनार्दन शुक्ला, मनोज कुमार, सरिता आदि मौजूद रहीं।

त्यौहार में खलल डालने वालों से सख्ती से निपटेगी पुलिस

बस्ती। दशहरा और दीपावली के पर्व को लेकर थाना क्षेत्र में शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस पूरी तरह से अलर्ट मोड में है। शनिवार को थाना परिसर में क्षेत्र के संभ्रांत व्यक्तियों के साथ बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रभारी निरीक्षक परमाशंकर यादव ने त्यौहार के दौरान सुरक्षा व्यवस्था की रूपरेखा तैयार की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सभी से अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक समुदाय को त्यौहार मनाने की पूरी स्वतंत्रता है। यदि कोई व्यक्ति उत्पात मचाने का प्रयास करता है, तो इसकी सूचना गोपनीय तरीके से सीयूजी नंबर 9454403111 या डायल 112 पर दी जा सकती है। पुलिस तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करेगी। बैठक में उमेश कुमार राजभर, अजय कसौधन, बुधीराम यादव, राम मौर्य, जमुना कसौधन, राजकुमार सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

धर्म परिवर्तन कराने के मामले में केस

बस्ती। जिले की दुबौलिया पुलिस ने थाना क्षेत्र की 19 साल की लड़की को बहला- फुसलाकर भगा ले जाने के बाद धर्म परिवर्तन कराने के मामले में केस दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी चांद मोहम्मद उर्फ दानिस (22) एक युवती को बहला फुसलाकर भगा ले गया। बाद में शादी करने के लिए धर्म परिवर्तन करने का दबाव बनाने लगा। पुलिस ने पिता की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

सेवा पखवाड़ा के तहत प्रबुद्ध संवाद का आयोजन

बस्ती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिवस पर भाजपा के सेवा पखवाड़ा के तहत शनिवार को पार्टी कार्यालय में प्रबुद्ध वर्ग संवाद कार्यक्रम हुआ। प्रबुद्ध वर्ग के वरिष्ठजन, बुद्धिजीवी, सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र ने की। मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व सांसद नीलम सोनकर रहीं। मुख्य वक्ता नीलम सोनकर ने कहा कि महिला सशक्तिकरण, हर घर जल, किसान सम्मान निधि, आयुष्मान भारत, डिजिटल इंडिया और स्वच्छ भारत जैसी योजनाओं को जीवन स्तर सुधारने और आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव बताई। जिलाध्यक्ष ने कहा कि सेवा ही संगठन का मूल मंत्र है। कार्यकताओं को चाहिए कि वे सेवा शिविरों और विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएं और सकारात्मक सोच के साथ पार्टी की छवि को मजबूत बनाएं। संचालन संयोजक प्रत्युष विक्रम सिंह ने किया। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष प्रेम सागर त्रिपाठी, पवन कसौधन, यशकांत सिंह, रवि सोनकर, चंद्रशेखर मुन्ना, गोपेश्वर त्रिपाठी, प्राचार्य संजय द्विवेदी, भानु प्रकाश मिश्र, संजय उपाध्याय, आनन्द सिंह कलहंस, डॉ. रघुवर पांडेय आदि मौजूद रहे।

अध्यक्ष ने सट्टा सर्वे मेले का निरीक्षण कर जानी प्रगति

बस्ती। सहकारी गन्ना विकास समिति विक्रमजोत में शनिवार को आयोजित सर्वे सट्टा मेला में अध्यक्ष सिद्धान्त कुमार सिंह पहुंचे और प्रगति की जानकारी ली। किसानों से बातचीत कर उनकी शिकायतों को सुना। 24 सितम्बर तक आयोजित हो रहे मेले में पहुंचकर लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

मुख्तार के छोटे बेटे उमर की पुलिस ने खोली हिस्ट्रीशीट

गाजीपुर। गाजीपुर की मुहम्मदाबाद पुलिस ने यह कार्रवाई की है। मुख्तार अंसारी के छोटे बेटे उमर अंसारी के खिलाफ यूपी के कई थानों में आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनकी जांच चल रही है। मुख्तार अंसारी के छोटे बेटे उमर अंसारी की मुहम्मदाबाद पुलिस ने रविवार को हिस्ट्रीशीट खोल दी है। प्रदेश की राजधानी लखनऊ, मऊ, गाजीपुर और मुहम्मदाबाद में विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज है। उमर पर सात अपराधिक मुकदमा दर्ज है। इनमें खासकर कूट रचित व धोखाधड़ी करके सार्वजनिक जमीनों को कब्जा करना व चुनाव के दौरान भड़काऊ भाषण देने जैसे मामले शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक डॉ. ईरज राजा ने बताया कि अपराध पर अंकुश एवं अपराधियों के विरुद्ध मुहम्मदाबाद थानाध्यक्ष

आरएस नागर की ओर से क्षेत्र में भ्रमण किया जा रहा था। इस दौरान पता चला कि आईएस -191 गैंग के सदस्य माफिया मुख्तार अंसारी के पुत्र उमर अंसारी के द्वारा कूट रचित व धोखाधड़ी करके सार्वजनिक जमीनों को कब्जा करना और चुनाव के दौरान भड़काऊ भाषण करने व कराने का कार्य किया जाता है। इसके खिलाफ मुहम्मदाबाद, मऊ और लखनऊ में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। आईएस -191 गैंग के सक्रिय सदस्य यूसुफपुर के दर्जी मोहल्ला निवासी उमर अंसारी के प्रत्येक गतिविधियों की निगरानी की आवश्यकता है। इसको लेकर अपराधी उमर अंसारी की हिस्ट्रीशीट खोली गई है। फजीर्वाड़ा और साजिशकर्ता जैसे मामलों में दर्ज है मुकदमा एसपी डॉ. ईरज राजा ने बताया कि मुख्तार के छोटे पुत्र उमर अंसारी के खिलाफ मऊ शहर कोतवाली में तीन और दक्षिण टोला थाना में एक मुकदमा दर्ज है। जबकि मुहम्मदाबाद में एक मामला दर्ज हैं।

दहेज उत्पीड़न के आरोप में केस दर्ज

बस्ती। कप्तानगंज पुलिस ने एक विवाहिता की शिकायत पर ससुरालियों पर दहेज उत्पीड़न एवं मारने-पीटने और जाने से मारने की धमकी देने के मामले में केस दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि ग्राम बढ़नी के चतुर्भुज पांडेय की पुत्री साधना पांडेय की शादी भुवनपुर में हुई थी। पीड़िता का आरोप है कि शादी के बाद से उसे दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाने लगा। कार की मांग को लेकर उसे अक्सर मारापीटा जा रहा है। जान से मारने की धमकी देने के साथ शारीरिक व मानसिक रूप से शोषण किया जा रहा है। पुलिस मामले में थाना क्षेत्र के भुवनपुर गांव निवासी पति अनुकूल मिश्रा, ससुर शिव प्रकाश मिश्रा, सास गीता मिश्रा एवं देवर आलोक मिश्र के खिलाफ दहेज उत्पीड़न एवं मारने-पीटने का केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

सहकारी समितियों को दिए जाएंगे ब्याज रहित 15 लाख रुपये

बस्ती। सहकारिता से लोगों को जोड़कर खुशहाली लाई जा सकती है। जिला सहकारी बैंक 2.5 से 3.0 करोड़ के फायदे में है। किसानों को खाद की किल्लत न हो इसके लिए सहकारी समितियों को ब्याज रहित 10-10 लाख रुपये दिए गए हैं। आगे 15-15 लाख रुपये देने की तैयारी है। जिला सहकारी बैंक के चेयरमैन राजेंद्र नाथ तिवारी ने शनिवार को न्याय मार्ग स्थित बैंक की शाखा पर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि देश के गृहमंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से सारे सहकार बैंक घाटे से उबर चुके हैं। बैंक और समितियों को कंप्यूटरीकृत करते हुए उन्हें आधुनिकता से जोड़ा जा रहा है। चेयरमैन ने कहा कि कोई भी सहकारी समिति का गठन कर बैंक से लाभ ले सकता है।

पाकिस्तान के खिलाफ बुमराह की वापसी संभव, स्पिन तिकड़ी पर फिर भरोसा जताएगा भारत ?

दुबई , पाकिस्तान के खिलाफ यह तय माना जा रहा है कि भारत अपनी पिछली रणनीति ही अपनाएगा। दरअसल, टीम पहले दो मैच में तीन स्पिनर और बुमराह के रूप में एक विशेषज्ञ तेज गेंदबाज के साथ खेलने उतरी थी। यह रणनीति सफल रही थी। भारत और पाकिस्तान के बीच एक बार फिर एशिया कप में आमने-सामने होंगे। सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली भारतीय टीम ने ग्रुप चरण में एकतरफा अंदाज में इस चिर प्रतिद्वंद्वी टीम को पटखनी दी थी और वे अब सुपर चार चरण में भी इस लय को बरकरार रखने उतरेंगे। भारत और पाकिस्तान के बीच यह मैच और भी दिलचस्प होगा क्योंकि पिछले मैच में हुए हैंडशेक विवाद के बाद दोनों टीमों के बीच तल्खी बढ़ना तय है। भारत ने ग्रुप चरण में दमदार प्रदर्शन किया और अपने तीनों मैच जीतकर ग्रुप ए में शीर्ष पर रही। भारत ने ओमान के खिलाफ प्लेइंग-11 में दो बदलाव किए थे और जसप्रीत बुमराह तथा वरुण चक्रवर्ती को आराम देकर तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा को मौका दिया था।

चिन्तन मंथन शिविर में निजीकरण का विकल्प खारिज करने का संकल्प

लखनऊ(संवाददाता)। उप्र राज्य विद्युत परिषद अभियंता संघ के तत्वावधान में मेरठ में आयोजित ष्चिन्तन मंथन शिविर - संदर्भ निजीकरणष में अभियंताओं ने पॉवर कारपोरेशन द्वारा दिए गए निजीकरण के विकल्प को एक स्वर में खारिज कर दिया और संकल्प लिया कि निजीकरण के विरोध में आन्दोलन और तेज किया जायेगा तथा निजीकरण के विरोध में संघर्ष तब तक जारी रहेगा जब तक निजीकरण का निर्णय वापस नहीं लिया जाता। चिन्तन मंथन शिविर में मुख्य वक्ता आल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन के चेयरमैन शैलेन्द्र दुबे ने पावर कारपोरेशन के चेयरमैन डॉ आशीष गोयल द्वारा पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण के बाद दिए जाने वाले विकल्पों का विस्तार से विश्लेषण कर उसे खारिज कर दिया । उन्होंने विकल्प के तीनों बिन्दुओं निजी कंपनी की नौकरी ज्वॉइन कर लें, अन्य निगमों में वापस आ जाएं और स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति ले लें, का विश्लेषण करते हुए यह बताया कि तीनों ही विकल्प बिजली कर्मियों के भविष्य को बर्बाद कर देंगे अतः निजीकरण किसी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है ।पूर्व दिल्ली विद्युत बोर्ड के इ सत्यपाल और इ यशपाल शर्मा जो ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन के संरक्षक और सेक्रेटरी (मुख्यालय) है, ने निजीकरण के बाद दिल्ली में बिजली कर्मियों और अभियंताओं की हो रही दुर्दशा के बारे में विस्तार से बताया और कहा कि निजीकरण बहुत ही भयावह है अतः पूरी शक्ति से संघर्ष की तैयारी करिये ।मेरठ में शिविर के दौरान ही यह जानकारी मिलने से कि, पश्चिमांचल के बड़े शहरों में अर्बन डिस्ट्रीब्यूशन फ्रेंचाइजी होने जा रहा है, अभियंताओं में गुस्सा फूट पड़ा। शैलेन्द्र दुबे ने बताया कि यह पुख्ता जानकारी मिली है कि जिन जिन शहरों में वर्टिकल रिस्ट्रक्चरिंग सिस्टम लागू किया जा रहा है उन सभी शहरों के अर्बन डिस्ट्रीब्यूशन फ्रेंचाइजी का टेंडर भी पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण के टेंडर के साथ ही जारी किया जाएगा ।उप्र राज्य विद्युत परिषद अभियंता संघ के महासचिव जितेन्द्र सिंह गुर्जर ने कहा कि चिन्तन मंथन शिविर का मुख्य उद्देश्य अभियंताओं को निजीकरण के विरोध में निर्णायक संघर्ष के लिये प्रशिक्षित करना है। उन्होंने कहा कि ऐसे पांच शिविर डिस्कॉम स्तर पर आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि अभियन्ता संकल्प लेकर सामने आएं तो उप्र में पॉवर सेक्टर में निजी घरानों को रोकना कोई कठिन काम नहीं है। उन्होंने कहा कि निजीकरण के विरोध में निर्णायक संघर्ष किया जाएगा। अभियन्ता संघ के उपाध्यक्ष कृष्णा सारस्वत, उपाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह, संयुक्त सचिव आलोक श्रीवास्तव, संगठन सचिव जगदीश पटेल, सहायक सचिव निखिल कुमार, संघर्ष समिति पश्चिमांचल के संघर्ष समिति के संयोजक सी पी सिंह ने शिविर को संबोधित किया।

यूपीसीओएस आउटसोर्सिंग प्रणाली की आधारशिला

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य के लाखों आउटसोर्सिंग कर्मचारियों खातिर ऐतिहासिक निर्णय लिया है। योगी आदित्यनाथ सरकार द्वारा गठित उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सर्विस कॉर्पोरेशन लिमिटेड यूपीसीओएस राज्य में पारदर्शी, मानकीकृत और उत्तरदायी आउटसोर्सिंग प्रणाली की आधारशिला हैं ।प्रदेश सरकार के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा है कि यह मॉडल न केवल भर्ती में पारदर्शिता लाएगा, बल्कि रोजगार के क्षेत्र में एक नया उदाहरण भी पेश करेगा। यह कॉर्पोरेशन न केवल कर्मचारियों के हितों की रक्षा करेगा, बल्कि राज्य प्रशासन में दक्ष और योग्य मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित करेगा। अभी तक राज्य के विभिन्न सरकारी विभागों में आउटसोर्स कर्मचारियों की नियुक्ति निजी एजेंसियों के माध्यम से होती थी। यह व्यवस्था विभागों के लिए भले सुविधाजनक थी लेकिन कर्मचारियों के लिए असुरक्षा, अनिश्चितता भरी हुई थी। सरकार ने अब व्यवस्था में बदलाव करते हुए कर्मचारियों को बड़ी खुशखबरी दी हैं। यूपीसीओएस गैर-लाभकारी सार्वजनिक लिमिटेड कंपनी के रूप में स्थापित की गई है, जो कंपनीज एक्ट 2013 की धारा-8 के तहत रजिस्टर्ड है। इसका उद्देश्य है राज्य के 93 सरकारी विभागों व संस्थाओं में आउटसोर्स कर्मचारियों की नियुक्ति, प्रबंधन और निगरानी है ।यूपीसीओएस भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी बनाएगा, जिसमें जेम पोर्टल केमाध्यम से पंजीकृत एजेंसियों का पैनल तैयार होगा। भर्ती में भ्रष्टाचार और भाई भतीजावाद जैसी समस्याओं पर रोक लगेगी ।नई प्रणाली अंतर्गत नियुक्त कर्मचारियों को तीन साल के लिए अनुबंध पर रखा जाएगा। उन्हें 20,000 से 40,000 रुपए तक माहवार मानदेय मिलेगा। कर्मचारियों को ईपीएफ, ईएसआईसी , पेंशन और बीमा जैसे सामाजिक सुरक्षा लाभ मिलेंगे। कर्मचारियों, एजेंसियों और कॉर्पोरेशन के बीच त्रिपक्षीय अनुबंध होगा, जिससे जवाबदेही और प्रदर्शन निगरान की जा सकेगी। समय पर वेतन भुगतान की जिम्मेदारी कॉर्पोरेशन की होगी।

संक्षिप्त खबरें

एसपी गोयल अब स्वस्थ, आज संभालेंगे चीफ सेक्रेटरी की कुर्सी

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव एसपी गोयल स्वास्थ्य लाभ लेने के बाद नवरात्रि के प्रथम दिन यानि कल सोमवार को पुनः अपना कार्यभार ग्रहण करेंगे। अस्वस्थता के कारण मुख्य सचिव एसपी गोयल पिछले लगभग एक महीने से स्वास्थ्य लाभ ले रहे थे । कार्यवाहक मुख्य सचिव के रूप में वरिष्ठ आईएएस एपीसी दीपक कुमार मुख्य सचिव का दायित्व संभाल रहे थे ।सरकारी सूत्रों की माने तो अब एसपी गोयल पूरी तरह से स्वस्थ हो गए हैं और सोमवार को अपनी वापसी करेंगे।

तहफ्फुज ए औकाफ सोसाइटी ने सौंपा ज्ञापन,कानपुर में दर्ज मुकदमे का विरोध किया

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में रविवार को तहफ्फुज ए औकाफ सोसाइटी ने ज्ञापन सौंपा। सोसायटी के अध्यक्ष तौहीद नजमी के नेतृत्व में आई लव मोहम्द मामले को लेकर नाराजगी जताई। संबंधित मामले में एसीपी बाजार खाला के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेजा। ज्ञापन देने पहुंचे सभी लोग आई लव मोहम्मद टीशर्ट पहनकर समर्थन करते हुए नजर आए। तौहीद नजमी ने कहा कि कानपुर के रावत पुर थाने में जो एफआईआर हुई है वो गैर कानूनी है। हम इसे रद्द करने की मांग करते हैं। कहा कि यह बेहद दुखद है कि पैगंबर का नाम लिखने पर मुकदमा दर्ज हो रहा है। कानपुर में 12 रवि अव्वल के समय पर आई लव मोहम्मद का बोर्ड लगाने वाले मुस्लिम समुदाय के लोगों पर मुकदमा दर्ज कर दिया गया। एक धर्म के लोगों को उनके पैगंबर का नाम लिखने से रोका जा रहा है। यह भारत के धर्मनिरपेक्षता पर हमला है। तौहीद ने कहा कि पूरे विश्व में पैगम्बर मोहम्मद साहब को शांति के लिए महान हस्तियों में प्रथम स्थान पर रखा गया। शांति का पैगाम देने वाले पैगंबर का नाम लेने पर मुकदमा लिखना यह पहली बार हो रहा है और वह भी उत्तर प्रदेश में। पूरे विश्व में पैगंबर मोहम्मद साहब के अनुयायी है और अन्य धर्म में भी पैगंबर को बेहद सम्मान के नजरिए से देखा जाता है। इसलिए हमारी मांग है कि एफआईआर रद्द करते हुए कार्रवाई रोक लगाया जाए। ज्ञापन देते समय इब्राहिम, शोएब अहमद, आरिफ, रज्जन खान , अनस खान (एडवोकेट) समेत बड़े संख्या में लोग मौजूद रहे।

अखण्ड आर्यावर्त महासभा उत्तर प्रदेश इकाई भंग

लखनऊ(संवाददाता)। अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा, उत्तर प्रदेश की कार्यकारिणी तत्काल प्रभाव से भंग कर दी गयी है। प्रदेश अध्यक्ष चन्द्रमौलि शुक्ला ने आज यहां बैठक में बताया कि संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी की सहमति के बाद उत्तर प्रदेश इकाई को भंग करने का निर्णय लिया गया। वहीं संगठन को मजबूती के साथ खड़ा करने के लिए नयी कार्यकारिणी के गठन के लिए पांच सदस्यों की कमेटी बनाई गई है, जिसमें सुनील कुमार शुक्ला, प्रकाश श्रीवास्तव, सुनील कुमार सिंह, दिनेश प्रताप सिंह और आचार्य राम जी अवस्थी शामिल हैं। यह कमेटी संगठन की उत्तर प्रदेश की नई कार्यकारिणी के गठन के नये पदाधिकारियों का चयन करेगी। नई कार्यकारिणी का गठन 5 अक्टूबर तक कर दिया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष चन्द्र मौलि शुक्ला ने स्पष्ट किया है कि भंग की गई प्रदेश इकाई का असर जिला, नगर सहित विभिन्न इकाइयों की कार्यकारिणी पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

रूस में किया जायेगा भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों का प्रदर्शन

डिप्टी सीएम केशव मौर्य पवित्र अवशेषों को ले जायेंगे रूस

लखनऊ(संवाददाता)। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय, 24 सितम्बर से 1 अक्टूबर तक काल्मिकिया रूस में भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों का प्रदर्शन आयोजित कर रहा है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सूचित किया है कि यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य पवित्र अवशेषों को रूस ले जाने वाले प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे ।उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य प्रतिनिधिमंडल के साथ 23 सितम्बर को भारतीय वायुसेना के विमान से रूस प्रस्थान करेंगे। जहां भगवान बुद्ध के पवित्र पिपरहवा कपिलवस्तु अवशेषो का प्रदर्शन किया जायेगा। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बताया की कपिलवस्तु अवशेषों की अंतरराष्ट्रीय यात्रा भारत की साफ्टपावर और सांस्कृतिक कूटनीति का प्रभावी माध्यम बनेगी ।इससे पूर्व थाईलैंड और वियतनाम में भगवान बुद्ध के अवशेषों की प्रदर्शनी आयोजित की जा चुकी है। थाईलैंड और वियतनाम की सफलता ने वैश्वक स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाई है। श्री मौर्य ने बताया कि रूस में होने वाली प्रदर्शनी इस गौरवशालीपरम्परा को आगे बढ़ाएगी और भारत की सांस्कृतिक छवि को और निखरेगी पवित्र अवशेषों के प्रदर्शन के महत्व की चर्चा करते हुए उन्होने कहा कि इससे द्विपक्षीय संबंधों को सुदृढ़ करने के साथ सांस्कृतिक व राजनैतिक रिश्तों में और गहराई आएगी तथा सभ्यतागत विरासत को पुनः स्थापित करना व भारत को बौद्ध धर्म की जन्मभूमि व परम्परा का संरक्षक स्थापित करना है। यही नहीं इससे वैश्विक शांति व सद्भाव का वातावरण मजबूत करना है और भगवान बुद्ध के संदेश करुणा, शांति व अहिंसा को विश्वभर में प्रसारित करना है। बताया कि भगवान बुद्ध के कपिलवस्तु अवशेष पीपरहवा उत्तर प्रदेश से प्राप्त हुए जिसे प्राचीन कपिलवस्तु नगरी से जोड़ा जाता है, यह अवशेष पुरातात्विक रूप से प्रमाणित हैं और वैश्विक बौद्ध समुदाय के लिए अत्यंत पूज्यनीय धरोहर हैं। यह भगवान बुद्ध के जीवन से प्रत्यक्ष जुड़ाव का प्रतीक हैं। 25 से 28 सितंबर तक एलिस्ता शहर काल्मिकिया में राष्ट्रीय संग्रहालय द्वारा भगवान बुद्ध के जीवन की प्रमुख घटनाओं को दशार्ने वाले मूल कलात्मक शैलियों की कृतियों की प्रतिकृतियां प्रदर्शित की जाएगी ।पिपरहवा अवशेषों पर एक लघु वृत्तचित्र भी प्रदर्शित किया जाएगा। काल्मिकिया ऐसा क्षेत्र है, जहां बौद्ध जनसंख्या बहुतायात में है,यहां बौद्ध धर्म केवल धर्म ही नहीं बल्कि संस्कृति और परंपरा का हिस्सा है।

जिला सूचना अधिकारी कानपुर ने एसीपी को लिखा पत्र,पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल

लखनऊ(संवाददाता)। कानपुर से प्रकाशित दैनिक किदवई नगर समाचार पत्र के संपादक धीरेंद्र कुमार गुप्ता के खिलाफ जूही थाने में दर्ज चौन लूट के मुकदमे ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिला सूचना अधिकारी ने एसीपी बाबूपुरवा को पत्र लिखकर इस मामले में निष्पक्ष जांच और निस्तारण के निर्देश दिए हैं। जानकारी के अनुसार धीरेंद्र गुप्ता के खिलाफ यह मुकदमा कथित तौर पर भू-माफिया द्वारा उनकी खबरों को दबाने के लिए लिखवाया गया था। जिला सूचना अधिकारी ने अपने पत्र में स्पष्ट किया कि यह मामला गुप्ता द्वारा समाचार पत्र में छापी गई खबरों से जोड़कर देखा जा रहा है। पुलिस की कार्यप्रणाली पर पहले भी संदेह जताया जाता रहा है। इस घटना ने एक बार फिर इसे उजागर किया है। जिला सूचना अधिकारी के पत्र के बाद अब सभी की निगाहें इस मामले की जांच पर टिकी हैं, जिसमें पुलिस से निष्पक्ष और त्वरित कार्रवाई की उम्मीद की जा रही है।

स्कूटी चार्ज करते समय हादसा,मकान में लगी आग

लखनऊ(संवाददाता)। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में रविवार रात एक मकान में इलेक्ट्रिक स्कूटी चार्जिंग के दौरान आग लग गई। एलडीए कॉलोनी, सेक्टर-एफ विस्तार में अमित सक्सेना के मकान में रात करीब 1.45 बजे यह घटना हुई। घटना के समय मकान में रिचा प्रभाकर श्रीवास्तव और उनका बेटा अभिनव धुएं और आग की लपटों में फंस गए। अमित किसी तरह मकान से बाहर निकल गए। फायर कंट्रोल रूम को सूचना मिलते ही सरोजनीनगर और आलमबाग फायर स्टेशन से दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। सरोजनीनगर एफएसओ सुमित प्रताप के नेतृत्व में फायरमैन सुरेंद्र यादव और सुधीर यादव ने सीढ़ी के सहारे मकान में प्रवेश किया। टीम ने महिला और बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाला। आलमबाग की टीम ने होज लाइन से एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि इलेक्ट्रिक स्कूटी की चार्जिंग के दौरान शॉर्ट सर्किट से आग लगी। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन स्कूटी समेत घर का काफी सामान जलकर नष्ट हो गया।

महानिदेशक स्कूल शिक्षा के निर्देश- तेजी से बनाएं छात्रों की अपार आईडी

लखनऊ। महानिदेशक स्कूल शिक्षा ने छात्रों की अपार आईडी बनाने में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। अभी 95 लाख बच्चों की आईडी नहीं बनी है। आगे पढ़ें और जानें पूरा अपडेट... महानिदेशक स्कूल शिक्षा ने सभी संबंधित अधिकारियों को सरकारी व निजी स्कूलों में छात्रों की अपार आईडी बनाने में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। छात्रों की ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री (अपार) आईडी बनाने की गति बहुत धीमी है। अभी तक 45 फीसदी छात्रों की अपार आईडी नहीं बन सकी है। महानिदेशालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार कुल 3.75 करोड़ विद्यार्थियों में से 2.08 करोड़ छात्रों की ही आईडी बनी है। अपार आईडी बनाने में सरकारी स्कूल आगे और निजी स्कूल पीछे हैं। अधिकारियों के कड़े निर्देश के बाद भी निजी विद्यालय इसमें अपेक्षित रुचि नहीं ले रहे हैं। वहीं परिषदीय प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्कूलों में 1.23 करोड़ छात्रों में 92 लाख (75.20 फीसदी) की ही अपार आईडी बनी है। ट्रैक की जा सकती है छात्रों की शैक्षिक प्रगति व उपलब्धि वहीं सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में 6.09 लाख में 4.61 लाख (76.59 फीसदी) बनी है। निजी प्राइमरी व माध्यमिक विद्यालयों के 2.46 करोड़ में 1.11 करोड़ विद्यार्थियों की आईडी बन सकी है। अब भी लगभग 55 फीसदी छात्रों की अपार आईडी बननी है। बता दें कि अपार आईडी में छात्रों को 12 अंकों का एक यूनिक नंबर जारी किया जाता है। इसकी सहायता से छात्रों की शैक्षिक प्रगति व उपलब्धि ट्रैक की जा सकती है। इससे ऑउट ऑफ स्कूल बच्चों को चिह्नित किया जा सकेगा। साथ ही डिजीलॉकर की सहायता से सभी अकादमिक अभिलेख को प्राप्त कर सकेंगे। महानिदेशक ने सभी अधिकारियों से कहा है कि अपार आईडी से बचे छात्रों के अभिभावकों से सहमति पत्र लेकर विद्यालय स्तर पर सुरक्षित रखते हुए शत-प्रतिशत आईडी बनाने की कार्यवाही पूरी करें।

देश की आजादी में उर्दू का अहम योगदान: फिरंगी महली

लखनऊ(संवाददाता)। सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था अदब कल्चर वेलफेयर सोसाइटी के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी के प्रेक्षागृह में आयोजित श शायरों का आशियाना श में शायरों ने अपनी शेरों-शायरी से श्रोताओं को मंत्र मुग्ध किया। मोहम्मद आरिफ की अध्यक्षता में कार्यक्रम का उद्घाटन हजरत वरिष्ठ धर्म गुरु मौलाना खालिद रशिद फिरंगी महली, पूर्व राज्य सभा सदस्य एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता पी एल पुनिया, हाजी एजाज चांदी वाले, फुरकान कुरैशी ने शमां रौशन कर किया। अपने संबोधन में मौलाना फिरंगी महली ने कहा कि जिसकी याद में प्रोग्राम का आयोजन किया गया है, वह उर्दू पत्रकारिता जगत की नामचीन हस्ती थी जिन्होंने पत्रकारिता के तहत उर्दू अदब की अहम सेवाएं दीं। उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रोग्राम से उर्दू हिंदी जबान को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने आयोजक सईद हाशमी और सत्यम रोशन को बधाई दी हाजी एजाज चांदी वाले ने कहा कि मुशायरा कवि सम्मेलन हिन्दू मुस्लिम एकता का प्रतीक है। डॉ. तारिक सिद्दीकी ने कहा कि पत्रकार जीलानी खान ने अपने लेख के तहत सरकार और समाज को आईना दिखाने का काम किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में शेख ताहिर सिद्धकी, ताहिरा हसन, शहला हक, तबस्सुम किदवई, कारी इम्तियाज प्रताप गढ़ी,डॉ. फैसल खान, मोहम्मद शमीम, मोहम्मद फैजान, मनसूर खान, डॉ. पवन शर्मा, मोहम्मद नासिर, अमीना मोजीब सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। प्रोग्राम में सोसाइटी की जानिब से मेहमानों के हाथों समाज और तालीम के क्षेत्र में सम्मानित किया गया। सिद्धकी के शेर हमें सिखाओ उड़ने के तरीके हम लोग पेड़ से आएं है पिंजरे से नहीं आएं है। मंच संचालन असीम काकोरवी, रुखसार बलरामपुरी, गुले शबा,निखत मुरादाबादी ,रुबीना अयाज,शगुफ्ता अंजुम की सुरीली आवाज से लोग उनकी गजलों में झूम उठे मुशायरे में फैज खलीलाबादी, कामिल अमान,उस्मान मीनाई , सौरभ जायसवाल रिजवान मालिक ,मोहित रिदा,और अन्य कवि गण ने अपनी शेरों-शायरी से मंत्र मुग्ध किया। इस अवसर पर वासिफ राणा,शहजाद कुरैशी,मोहम्मद सैफ ,चौधरी शादाब,हाफिज आमिर अहमद,सलमान मंसूरी,जैनब सिद्दीकी, इमराना अजमत,नेहा परवीन,वजहत अनवर,अली नईम राजी, कमरुज्जमा नदवी,नय्यर बीसवां,और नगर के नामचीन लोग मौजूद रहे। अंत में संयोजक सईद हाशमी और सत्यम रोशन ने शुक्रिया अदा किया।

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ने मऊ में सेवा पखवाड़ा एवं दुर्गा मेला उत्सव में की सहभागिता

लखनऊ(संवाददाता)। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने मऊ भ्रमण के दौरान शीतला माता मंदिर प्रांगण में सेवा पखवाड़ा एवं दुर्गा मेला उत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की ।मंत्री श्री शर्मा ने सबसे पहले स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा लगाए गए स्वदेशी उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। हस्तनिर्मित उत्पादों को देखते हुए उन्होंने महिला उद्यमियों से उनके निर्माण की प्रक्रिया, विपणन और बिक्री के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। महिलाएं जब आत्मनिर्भर बनती हैं तो परिवार और समाज आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर होता है। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को प्रोत्साहित करते हुए आश्वासन दिया कि सरकार उनकी आय को बढ़ाने और उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है श्री शर्मा ने अन्य विभिन्न विभागों के लगाए गए स्टालों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से योजनाओं की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे और कोई भी पात्र व्यक्ति लाभ से वंचित न रहे। श्री शर्मा ने विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत अमरजीत कुमार, सत्यम कुमार, दीपक शुक्ला, संतोष राय, मोहम्मद शादाब, अनीता देवी, गुड्डी देवी, नमिता सोनकर सहित अन्य लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं के सांकेतिक चेक और आवास की चाभियां वितरित की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे पात्र लाभार्थी जो योजनाओं से वंचित रह गए हैं उनके आवेदन लेकर योजनाओं से संतृप्त किया जाए। श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से लेकर गांधी जयंती 2 अक्टूबर तक चलने वाला सेवा पखवाड़ा हमारे लिए केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि यह समाज सेवा और जनकल्याण का एक अभियान है। इस दौरान हमारा लक्ष्य है कि सरकार की हर योजना का लाभ समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचे ।उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि सेवा पखवाड़ा की अवधि में सभी पात्र लाभार्थियों का शत-प्रतिशत संतृप्तिकरण सुनिश्चित किया जाए। मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार की योजनाएं तभी सफल होंगी, जब उनका लाभ वास्तव में उन लोगों तक पहुंचेगा जिनके लिए वे बनाई गई हैं।

अपर्णा यादव के भाई पर 14 करोड़ हड़पने का आरोप

लखनऊ(संवाददाता)। लखनऊ में बीजेपी नेता अपर्णा यादव की मां के बाद उनके भाई पर भी थ्य्त् दर्ज हो गई है। अपर्णा के भाई चंद्रशेखर सिंह बिष्ट पर 14 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का आरोप है। पीड़ित ठाकुर सिंह मनराल ने बताया है कि चंद्रशेखर बिष्ट से उनके पिता के सरकारी आवास गुलिस्ता कॉलोनी में उनकी मुलाकात हुई थी। मुलाकात के दौरान 22.10 बीघा जमीन को बेचने का सौदा हुआ था। उसे 1100 रुपए प्रति वर्गफुट के हिसाब से तय किया गया था। यह डील करीब 14 करोड़ रुपए में तय हुई थी। उसके बाद उन्हें नकद और चेक के माध्यम से पूरी रकम दी गई। लेकिन बदले में सिर्फ 13450 वर्गफुट जमीन की रजिस्ट्री कराई गई, जो तय राशि और क्षेत्रफल का आधा भी नहीं था। पीड़ित के अनुसार, अपर्णा के भाई चंद्रशेखर बिष्ट की लखनऊ में मरर्चन्टास इन्फाहाइट्स प्रा. लि. के नाम से कंपनी है। कंपनी के विश्वास में आकर चंद्रशेखर बिष्ट और उनके सहयोगी हिमांशु राय ने उन्हें जमीन के नाम पर लगभग 14 करोड़ रुपए की ठगी का शिकार बनाया। आरोप है कि जब पीड़ित ने बाकी की रजिस्ट्री या पैसा वापस मांगा तो चंद्रशेखर और हिमांशु ने उन्हें धमकी दी। कहा पैसा भूल जाओ, दोबारा मांगा तो जान से हाथ धो बैठोगे। पूरे लेन-देन की जानकारी अपर्णा यादव, उनकी मां अंबी बिष्ट और पिता अरबिंद सिंह बिष्ट को भी थी। पीड़ित के मुताबिक, इस मामले की शिकायत थाना गोमतीनगर, पुलिस आयुक्त लखनऊ और कई अधिकारियों से की। इसके बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। जब कोर्ट से गुहार लगाई तो कोर्ट के निर्देश पर गोमतीनगर थाने में एफआईआर दर्ज कर ली गई। अपर्णा के भाई से एक दिन पहले उनकी मां अंबी बिष्ट के खिलाफ भी लखनऊ में विजिलेंस में मुकदमा दर्ज हुआ था। लखनऊ की प्रियदर्शनी-जानकीपुरम योजना में हुए भूखंड आवंटन घोटाले में अंबी सहित तत्कालीन 5 अफसर दोषी पाए गए। शासन के आदेश पर लखनऊ स्थित विजिलेंस थाने में दोषियों पर एफआईआर दर्ज की गई है। अंबी बिष्ट लखनऊ विकास प्राधिकरण में संपत्ति अधिकारी रहने के बाद लखनऊ नगर निगम में कर अधिकारी भी रहीं। करीब एक साल पहले 30 सितंबर 2024 को वह रिटायर हुई थीं।

सांसद संजय सिंह ने कहा, योगी सरकार सवर्णों को दे रही दलितों-पिछड़ों की नौकरियां

लखनऊ(संवाददाता)। यूपी के प्रभारी राज्यसभा सांसद आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने उत्तर प्रदेश सरकार में हुई शिक्षक भर्तियों को लेकर सवाल उठाया है। रविवार को संजय सिंह ने वीडियो जारी करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में भर्ती घोटाला, योगी सरकार सवर्णों को दे रही दलितों-पिछड़ों की नौकरियां। संजय सिंह ने कहा कि बांदा कृषि विश्वविद्यालय में 15 पदों पर भर्ती हुई, 11 ठाकुर, 2 सामान्य और 2 दलित-पिछड़ों को नौकरी मिली है। लखीमपुर सहकारी बैंक में 27 पदों की भर्ती में 15 ठाकुर, 4 सामान्य और 8 पिछड़े-दलित-आदिवासी चुने गए ही। पिछड़ों का नेता बताने वाले मोदी जी उत्तर प्रदेश में दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों का हक हड़पे जाने पर चुप हैं। संजय सिंह ने आगे कहा कि यूपी सरकार भर्ती घोटाले की जांच कराकर दोषियों को जेल भेजे और आरक्षण को पूरी तरह लागू करे। हिंदुओं को एकजुट करने के नाम पर राजनीति करने वाली भाजपा संविधान और आरक्षण खत्म कर देगी।

पूर्वाचल में 1896 मीटर में 15 दिन से रीडिंग शुन्य

लखनऊ(संवाददाता)। प्रदेश की सभी बिजली कंपनियों में जहां स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने को लेकर हंगामा मचा हैं। उपभोक्ताओं और पावर कारपोरेशन का अपना अपना तर्क रख रहे है। इस बीच पावर कार्पोरेशन प्रबंधन द्वारा कल शक्ति भवन में जीनस कंपनी जो पूर्वांचल व केस्को में स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगा रही है उसकी समीक्षा की गई। जिसमें सभी बिजली कंपनियों के उच्च अधिकारी शामिल थे। समीक्षा बैठक में पावर कार्पोरेशन प्रबंधन ने साफ इशारा कर दिया कि पहले अभी तक जो स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगभग 39 से 40 लाख लगे हैं उनकी सभी कर्मियों को दूर किया जाए। इसके बाद सिंगल फेस में मीटर लगाने की बात की जाए। वहीं दूसरी तरफ उपभोक्ता परिषद ने आज जीनस कंपनी जो स्मार्टप्रीपेड मीटर लगा रही है उसके आंकड़ों पर एक अपनी समीक्षात्मक रिपोर्ट में एक बहुत ही चौंकाने वाला खुलासा हुआ गौर तलब है कि उपभोक्ता परिषद का मानना है पावर कॉरपोरेशन अपनी समीक्षा बैठक का वही अंश मीडिया में ले आएगा जो उसके लिए हितकर हो लेकिन उपभोक्ता परिषद सभी उन अंश को बाहर लाएगा जो उपभोक्ताओं के लिए हितकर हो उसी क्रम में उपभोक्ता परिषद जीनस मीटर की समीक्षात्मक रिपोर्ट का आज खुलासा किया। उन सभी कर्मियों को दूर करने के लिए पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के निदेशक तकनीकी जितेंद्र नलवाय को बता दिया है। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने कहा 15 सितंबर को जो स्मार्ट प्रीपेड मीटर की समीक्षा के लिए पावर कॉरपोरेशन अध्यक्ष के लिए बुकलेट तैयार की उसके आधार पर जब उपभोक्ता परिषद में समीक्षा की तो सामने आया की जीनस कंपनी द्वारा जो पूर्वांचल में स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए गए उसमें घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं के मामले में 3605 मामले जीनस कंपनी के मीटर में ऐसे सामने आए। जिसमें सुबह 8.00 बजे से लेकर रात 10.00 बजे तक रीडिंग जीरो रही। 1896 स्मार्ट प्रीपेड मीटर जीनस के पूर्वांचल में ऐसे सामने आए जिसमें पिछले 15 दिन से रीडिंग जीरो रही ।इसी प्रकार से एक बहुत गंभीर मामला सामने आया जीनस द्वारा लगाए गए पूर्वांचल के मीटर में 1218 मामले ऐसे आए जिसमें करंट तो उपलब्ध है लेकिन वोल्टेज जीरो है। यह बहुत ही गंभीर मामला हैं। इसी प्रकार 198 ऐसे मामले केस्को में भी सामने आए यह सब बहुत ही अध्ययन करने का मामला है। वैसे तो कहने को स्मार्ट प्रीपेड मीटर है। क्योंकि पावर का जो फार्मूला है उसमें यदि वोल्टेज जीरो हो गई तो पूरी रीडिंग ही जीरो हो जाएगी ।अन्यथा की स्थिति में पूरा प्रोजेक्ट फेल हो जाता है।

सम्पादकीय

नई शुरूआत की कोई उम्र नहीं

पिछले दिनों बाजार में बहुत पुरानी मित्र से मुलाकात हुई। हम दोनों ने साथ-साथ नौकरियां शुरू की थीं। लेकिन विवाह के बाद उसने नौकरी छोड़ दी। कारण था, उसके पति की बाहर की नौकरी। अक्सर ही स्त्रियों के साथ ऐसा होता है। कुछ दिनों तक तो उससे सम्पर्क रहा, फिर वह भी खत्म हो गया। मोबाइल तो थे नहीं उन दिनों। खैर, इतने दिनों बाद मिलने पर अतीत की तमाम बातें याद आ गईं। फिर बच्चों के बारे में बात होने लगी। पता चला कि उसके दोनों बच्चे विदेश में रहते हैं। पति की मृत्यु हो चुकी है। तो अब यहां अकेली रहती है। कहने लगी कि बच्चों के पास कभी-कभी जाती है, लेकिन रहना अपने देश में ही चाहती है। वहां मन नहीं लगता। फिर उसने बताया कि उसने अपना खाने-पीने का व्यवसाय शुरू किया है। क्योंकि बच्चे जब चले गए, फिर कुछ दिन बाद पति भी, तो समझ में नहीं आता था कि क्या करूं। खाना बनाना हमेशा पसंद रहा, लेकिन अकेली के लिए क्या बनाऊं, तो कई.-कई दिन तक रसोई में जाती ही नहीं थी। लगता था कि बस जीवन यहीं तक था, अब खत्म हुआ। एक दिन सोसाइटी की एक युवा लड़की ने कहा कि काश, उसे घर जैसा खाना खाने को मिलता। यहीं से जैसे कोई क्लू मिला। बस उसने सोसाइटी के लोगों के बहुत से लोगों के नम्बर लेकर एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया। फिर उसी में रोज बताने लगी कि कल क्या बना रही है। कोई चाहे तो आर्डर कर सकता है। खाने के दाम भी ऐसे रखे कि किसी को ज्यादा चुभे नहीं। शुरू में तो एक-दो ही आर्डर आए, अब इतना काम है कि सहायता के लिए दो और लोगों को रखना पड़ा है। उसकी बातें सुनकर अमरीका की पूर्व प्रथम महिला मिशेल ओबामा का कुछ दिन पहले का कथन याद आ गया। उन्होंने कहा कि जब से उनकी दोनों बेटियां घर के घोंसले को खाली करके गई हैं, तब से उनकी जिंदगी ठहर सी गई है। वह बहुत अकेलापन महसूस करती हैं। यह कहानी सिर्फ मिशेल ओबामा की ही नहीं, अधिकांश माता-पिता की है। वे माताएं, जो पढ़ी-लिखी हैं, लेकिन बच्चों की जिम्मेदारी उठाने के कारण कभी अपने करियर या अभिरुचियों के बारे में नहीं सोच पाईं। उन सबकी कहानी एक जैसी है। कई माताएं और बहुत से पिता भी इस अकेलेपन को झेल नहीं पाते। जीवन के प्रति आकर्षण जैसे खत्म सा हो जाता है। अब इस उम्र में क्या करें कि बच्चों की कमी महसूस न हो। क्योंकि बच्चे जिस उड़ान पर निकले हैं, उनका भविष्य भी वहीं है। उन्हें तो रोका नहीं जा सकता, न ही पुराने दिनों को वापस लाया जा सकता है। इसलिए जरूरी है कि किसी और काम में मन लगाया जाए। एक महिला के बारे में कुछ दिन पहले पढ़ा था कि उसने यू-ट्यूब पर देखकर पेंटिंग करना सीखा। आज उसकी एक प्रदर्शनी दिल्ली में और एक अमरीका में लग चुकी है। एक अन्य महिला ने ऐसी ही अनेक महिलाओं का ग्रुप बनाया है। वह लाइफ कोच बन गई है। स्त्रियों को बच्चों के चले जाने के बाद के अकेलेपन से निपटने के लिए तरह-तरह के तरीके बताती है। इससे खूब आय भी होती है। एक और महिला ने भी अपनी ही जैसी स्त्रियों का एक ग्रुप बनाया है। ये सब तमाम मेलों में अपने-अपने बनाए खाने को लेकर जाती हैं और कमाई भी करती हैं। ये माह में एक बार कहीं घूमने भी जाती हैं। इस तरह समय भी कटता है और अकेलापन भी महसूस नहीं होता। एक पिता ने एक बार बताया था कि बेटे के बाहर पढने जाने के बाद, उसका घर आने का मन नहीं करता था। न किसी से मिलने-बात करने का। बस बेटे की पुरानी चीजों को देखकर, उसकी यादों में खोए रहकर, हर वक्त आंसू ही बहते रहते थे। दोनों पति-पत्नी एक-दूसरे को दिलासा देते-देते भी रोने लगते थे। फिर उन्होंने संगीत सीखना शुरू किया। अब दोनों नौकरी से लौटने के बाद कई-कई घंटे रियाज करते हैं। बेटे की यादें अब उतनी परेशान नहीं करतीं। बच्चों के बिना घर का जो सूनापन काटने को दौड़ता था, अब वहां संगीत की मीठी धुनें गूंजती हैं। एक अन्य व्यक्ति, जो युवावस्था में बहुत अच्छा गोल्फ खेलता था, उसने फिर से खेलना शुरू किया है। बहुत से लोग अपने वर्षों पुराने शौक और हॉबीज को नए सिरे से जिंदा कर रहे हैं। वे कहते हैं कि जीवन को जीने का यह सबसे अच्छा समय है, जब बच्चे अपनी-अपनी दिशाओं में चले गए हैं तो हर समय रोने-बिसूरने से क्या फायदा। जो तब नहीं कर पाए, अगर अब कर सकते हैं, तो क्यों न आज से ही शुरू किया जाए। बात भी ठीक है। नई शुरूआत करने के लिए कोई भी उम्र बाधक नहीं होती। एक बार मशहूर अभिनेता अशोक कुमार ने बताया था कि उन्होंने छियासठ वर्ष की उम्र में पेंटिंग सीखी थी और बहुत अच्छा पेंट करने लगे थे। आज तो पैंतालीस-पचास साल की उम्र में स्त्रियां एवरैस्ट चढ़ रही हैं। रिटायरमैंट के बाद दुनिया घूमने जा रही हैं। उम्र उनकी राह में रोड़ा नहीं बन रही। कोई भी शुरूआत कहीं से और कभी भी की जा सकती है।

संविदा और बेरोजगारों के लिए आक्सीजन योगी

प्रेम शर्मा

जनसंख्या बल के हिसाब से देश में अगर सबसे ज्यादा बेरोजगारी किसी राज्य में है तो वह उत्तर प्रदेश ही है। बिहार के बाद सबसे ज्यादा युवा रोजगार के लिए महाराष्ट, दिल्ली या खाड़ी देशों या अन्य दूरस्थ पलायन करते है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दो ताजा निर्णय प्रदेश के बेरोजगारों के लिए काफी हद तक मददगार साबित होगें। कोरोना काल के दरम्यान काफी हद तक रोजगार छिन जाने से हजारों परिवारों की आर्थिक स्थिति डावाडोल चल रही थी। उक्त काल में सरकारी नौकरी के विज्ञापन न आने तथा कई प्रतियोगी परीक्षा रद्द हो जाने से काफी पढ़े लिखे युवा नौकरी की अर्हता रखते हुए अधिक उम्र हो जाने के कारण मायूस थे। योगी सरकार के ताजा निर्णय में कई पदों में उम्र सीमा बढ़ाये जाने से इसका फायदा पढ़े लिखें बेरोजगारों को मिलना तय है। दूसरी तरफ उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने अस्थायी कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम लिमिटेड का गठन किया है। यह निगम भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता लाएगा और आउटसोर्स कर्मचारियों को वेतन व सामाजिक सुरक्षा से जुड़े शोषण से बचाएगा। अकेले यूपी में 11 लाख से अधिक कर्मचारी इस व्यवस्था का सामना करते हैं। उक्त दोनों निर्णयों को संविदा और आयु अर्हता पार कर चुके युवाओं को योगी आक्सीजन का नाम दिया जा सकता है। योगी सरकार ने तृतीय श्रेणी के कई पदों की आयुसीमा 28 और 32 से बढ़ाकर भर्ती के लिए 40 साल कर दी गई है। संबंधित खबर के अनुसार शासन ने तृतीय श्रेणी के कई पदों पर होने वाली भर्ती में अधिकतम आयु सीमा बढ़ाकर 40 साल कर दी है। उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद ने छह सितंबर को प्रयोगशाला तकनीकी संवर्ग, लेखपाल एवं सर्वेयर में भर्ती की अधिकतम आयु सीमा 32 साल से बढ़ाकर 40 साल कर दी थी। पहले इन पदों पर विज्ञापन निकालकर सीधे भर्ती की जाती थी, अब उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग को चयन की जिम्मेदारी दी गई है और लिखित परीक्षा के आधार पर भर्ती होगी। इससे पहले समाज कल्याण विभाग ने ग्राम विकास अधिकारी और सहायक विकास अधिकारी की सीधी भर्ती के लिए अधिकतम आयुसीमा बढ़ाकर 40 साल कर दी थी। हाल ही में आवास एवं विकास परिषद में आशुलिपिक भर्ती की अधिकतम आयु सीमा भी 28 साल से बढ़ाकर 40 वर्ष और स्वागत अधिकारी की आयु सीमा 32 साल से बढ़ाकर 40 साल की गई है। इस बदलाव का फायदा उन बेरोजगार प्रतियोगियों को होगा जो भर्ती के इंतजार में ओवरएज हो चुके हैं। दुनिया के किसी भी देश के लिए रोजगार एक बड़ा मुद्दा है। अनुमान है कि संविदा पर नियुक्ति या आउटसोर्स की व्यवस्था

के तहत देश में सवा करोड़ लोगों को रोजगार मिला हुआ है, लेकिन मुश्किल यह है कि इनके नियमित वेतन, अवकाश और सामाजिक सुरक्षा प्रविधानों को लेकर विभिन्न राज्यों की नियमावली में कोई एकरूपता नहीं है। इससे अस्थायी किस्म की नौकरी करने वालों को कम वेतन और असुरक्षा का सामना करना पड़ता है।

इस बॉत को लेकर योगी सरकार गम्भीर हुई और उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम लिमिटेड का गठन किया गया। इसके लिए बकायदा उत्तर प्रदेश शासन के प्रमुख सचिव अमित कुमार घोष द्वारा एक शासनादेश 19 सितम्बर 25 को जारी कर मुख्यमंत्री की घोषणा पर मुहर लगा दी गई। यानि अब एक गैर-लाभकारी संस्था के रूप में संचालित होने वाली इस पब्लिक लिमिटेड कंपनी यानी आउटसोर्स सेवा निगम की मुख्य जिम्मेदारी भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता लाना और अस्थायी कर्मचारियों के जुड़े कई मुद्दों का समाधान करना है ।कंपनीज एक्ट-2013 के सेक्शन-8 के तहत गठित इस निगम के अस्तित्व में आने से अब उत्तर प्रदेश के सरकारी विभाग आउटसोर्सिंग एजेंसियों का चयन खुद नहीं करेंगे, बल्कि उन्हें नए बनाए गए एक पोर्टल (जेईएम) के जरिए निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया के तहत एजेंसियों का चयन करना होगा। यूपी सरकार का दावा है कि यह कदम उन लाखों कर्मचारियों को राहत दिलाएगा, जिन्हें एजेंसियों के जरिए मिलने वाले काम और वेतन संबंधी शोषण का सामना करना पड़ता है ।अकेले उत्तर प्रदेश के 93 सरकारी विभागों में ऐसे 11 लाख कर्मचारी बताए जाते हैं, जिन्हें नियुक्ति देने वाली एजेंसियों से वेतन संबंधी विसंगतियों और नौकरी की असुरक्षा आदि का सामना करना पड़ता है ।पूरे देश के स्तर पर देखें तो केंद्र और राज्य स्तर पर करीब 30-43 फीसद कार्यबल अस्थायी, संविदा या आउटसोर्स के तहत काम कर रहा है, जिसमें डाटा एंट्री, क्लर्की, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी प्रमुख सेवाएं शामिल हैं। एक अध्ययन के अनुसार साल 2014 में कुल सरकारी कार्यबल (केंद्र-राज्य) के 43 फीसद (लगभग 1.23 करोड़) कर्मचारी अस्थायी हैं। अनुबंध या संविदा भर्ती का सबसे बड़ा अभिशाप यह कि एजेंसियां कम लागत पर कर्मचारियों को अनुबंध के जरिए भर्ती करती हैं और अनुबंध खत्म होने पर कर्मचारियों को हटा दिया जाता है या फिर उनका अनुबंध रिन्यू कर दिया जाता है। जहां तक सरकारी विभागों में आउटसोर्सिंग की बात है तो इसका मुख्य उद्देश्य लागत में कटौती करना, भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाना यानी त्वरित भर्ती और प्रशासनिक बोझ कम करना है। दुनिया के अन्य हिस्सों की तरह भारत में भी देखा जा रहा है कि स्थायी भर्तियों या यानी सरकारी नौकरियों की संख्या में कमी आ रही है। अस्थायी, संविदा नौकरियों में वृद्धि हो रही है। समस्या यह है कि बा एजेंसियों की मार्फत नियुक्त किए जाने वाले अस्थायी, संविदा या आउटसोर्स कर्मचारियों को अक्सर सीमित वेतन, कम सामाजिक सुरक्षा और नौकरी की अनिश्चितता का सामना करना पड़ता है। अब उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी संविदा कर्मी सम्बंधी उत्तर प्रदेश आउटसोर्सिंग सेवा निगम के गठन में स्पष्ट लिखा गया है कि नान प्रोफिटेबल संस्था इस बात का संकेत है कि सरकार आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के प्रति संवेदनशील है। यही नही अपने भाषण के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा आउट सोर्सिंग कार्मिकों को कम से कम 16 हजार मानदेय देने की घोषणा संविदा कार्मिकों के लिए ऑक्सीजन से कम नही। दावा है कि उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम ऐसे कर्मचारियों को नियमित मानदेय, सीधे वेतन हस्तांतरण और गारंटीकृत ईपीएफ एवं ईएसआई अंशदान के साथ-साथ मातृत्व अवकाश और अंतिम संस्कार सहायता जैसे सामाजिक सुरक्षा प्रविधानों का लाभ दिलाने में मददगार साबित होगा। इसके अलावा उन्हें हर महीने एक से पांच तारीख के बीच सीधे उनके बैंक खाते में वेतन मिले। यदि निगम के जरिए उत्तर प्रदेश सरकार अस्थायी नौकरियों से जुड़े लोगों के हितों का पोषण कर पाई और उनकी समस्याओं का हल निकाल पाई, तो यह प्रबंध रोजगार के क्षेत्र में एक नया प्रतिमान गढ़ सकेगा। दूसरी तरफ निश्चित तौर पर सेवा अर्हता उम्र बढाने के मामले में शासन और सरकार ने यह जो निर्णय लिया है हो सकता है कि सही हो मगर जहां तक मुझे नजर आता है उम्र बढ़ाने से नौकरी के लिए भटक रहे पढ़े लिखे नई उम्र के युवाओं के समक्ष और कठिनाई उत्पन्न हो सकती है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए एक बार पात्र नौजवानों के हितों को ध्यान में रखते हुए यूपी सरकार को एक बार पुनः इन विभागों में यह आयुसीमा बढ़ाई है उनकी समीक्षा पर विचार करना चाहिए और कोशिश हो कि नौजवानों के हित प्रभावित और उनको नौकरी मिलने का रास्ता अवरूद्ध ना हो पाए। इसके बावजूद शासन का ये फैसला उन लाखों युवाओं के लिए संजीवनी साबित होगा जो उम्र बढ़ने के चलते निराश होकर घर बैठ गए हैं। अब तैयार हो जाओ,जुट जाआ,फिर से पढ़ाई करा,फिर से फॉर्म भरो और परीक्षा पास करा,नौकरी करो,माता पिता का सहारा बना,घर संभालो,समाज में अपना योगदान दो। कुल मिलाकर युवा वर्ग खास तौर से संविदा कार्मिकों के लिए सरकार ने एक नई और अच्छी शुरूआत कर दी है जो आने वाले समय में और भी लाभकारी हो सकती है।

भारत बनाम अमेरिका,रिश्तो की नई इबारत

संजीव ठाकुर

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद के शुरूआती दिनों में 1947 से 1964 तक भारत के प्रथम प्रधानमंत्री नेहरू और अमेरिकी राष्ट्रपतियों के बीच संबंध कभी गर्मजोशी से भरे तो कभी अविश्वास से ग्रस्त रहे। भारत और अमेरिका के बीच समानांतर स्थाई मित्रता कभी कभार ही देखने को मिली है। भारत की शांतिपूर्ण गुटनिरपेक्ष नीति और अमेरिका की पाकिस्तान-समर्थक रणनीति इस रिश्ते की सबसे बड़ी बाधाएँ थीं,फिर भी लोकतंत्र के साझा मूल्यों और खाद्यान्न व सैन्य सहयोग ने संवाद को जीवित रखा। 1962 का भारत-चीन युद्ध एक ऐसा मोड़ साबित हुआ जिसने दिखा दिया कि जब हित टकराएँ तो दूरी रहती है, लेकिन जब जरूरत पड़े तो दोनों साथ भी खड़े हो सकते हैं। 1947 से 1953 भारत की स्वतंत्रता के समय व्हाइट हाउस में हैरी एस. ट्रूमैन थे। उनका ध्यान यूरोप के पुनर्निर्माण और सोवियत संघ को रोकने पर था। अमेरिका चाहता था कि भारत अमेरिका के साथ रूस के विरोधी खेमे में शामिल हो जाए किन्तु नेहरू जी ने रूस के विरुद्ध किसी भी सैन्य गठबंधन और किसी भी समझौते से दूरी बनाये रखी थी जिससे अमेरिका भारत के संबंधों में निराशा हुई और जिसके कारण भारत और अमेरिका दोनों देशों के रिश्ते शुरूआती वर्षों में औपचारिक ही रहे। 1953 से 1963 ड्वाइट डी. आइजनहावर के कार्यकाल में भारत अमेरिकी रिश्तों में कुछ गर्माहट आई थी, 1959 में वे भारत आए और संसद को संबोधित करने वाले पहले अमेरिकी राष्ट्रपति बने। खाद्यान्न संकट के दौरान पीएल 480 योजना के अंतर्गत अमेरिका ने भारत को बड़ी मात्रा में गेहूँ उपलब्ध करा कर खाद्यान्न संकट में मदद की थी। लेकिन दूसरी तरफ इसी दौर में अमेरिका पाकिस्तान को भरपूर सैन्य और आर्थिक मदद भी दे रहा था। जिसके फलस्वरुप पाकिस्तान भारत पर आक्रमण की तैयारी में लग गया था यह भारत के लिए गहरी चिंता और सैनिक परेशानियों का का कारण बन गया था। वर्तमान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आने के बाद 2014 से अब तक अमेरिका में राष्ट्रपति बराक ओबामा,जो बाईडेन और फिर दोबारा डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने तक भारत के संबंध अमेरिका से काफी मधुर रहे हैं। किंतु डोनाल्ड ट्रंप की दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के कुछ समय पश्चात डोनाल्ड ट्रंप भारत के लिए अविश्वसनीय राष्ट्रपति बन गए हैं। डोनाल्ड ट्रंप का झुकाव अचानक पाकिस्तान की तरफ अपने निजी हितों के कारण ज्यादा होने लगा है, जिसके कारण भारत पर भारत से अमेरिका में आयातित आवश्यक सामग्रियों पर 50ः टैरिफ आरोपित कर दिया है, जिसका बड़ा कारण भारत द्वारा रुस से कच्चा तेल खरीद कर उसे परिष्कृत कर यूरोपीय राष्ट्रों को बेचना बताया गया है। जिससे भारत तथा अमेरिका के रिश्ते मैं काफी खटास आ गई है और भारत के लिए एक आर्थिक संकट उभर कर सामने आ गया है।इधर चीन में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन की महत्वपूर्ण बैठक में भारत,रूस और चीन एक ही मंच पर नए गठबंधन में खड़े दिखाई दिए इस नई साझेदारी से डोनाल्ड ट्रंप और यूरोपीय देशों में बेचौनी काफी बढ़ गई है।

पूर्व में पिछले दो दशकों से भारत एवं अमेरिका वैश्विक राजनीति की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा रहे थे। पिछले कुछ दशकों में यह संबंध केवल कूटनीति और सुरक्षा तक सीमित नहीं रहे, बल्कि अर्थव्यवस्था, प्रौद्योगिकी, शिक्षा और संस्कृति तक विस्तारित हुए हैं। यही कारण है कि इन रिश्तों के भविष्य को लेकर लगातार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी बहस और विश्लेषण होता रहा है। वर्तमान में भारत और अमेरिका रणनीतिक साझेदार समझता एवं मानता है। अमेरिका ने भारत को मेजर डिफेंस पार्टनर का दर्जा दिया है। दोनों देशों के बीच रक्षा सौदे, सैन्य अभ्यास और तकनीकी हस्तांतरण जैसे मुद्दों पर सहयोग लगातार गहराता और आगे बढ़ता जा रहा है। इसके अलावा जलवायु परिवर्तन, स्वच्छ ऊर्जा और अंतरिक्ष अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में भी दोनों तत्परता से एक दूसरे के साथ काम कर रहे हैं। अमेरिका और भारत शिक्षा और संस्कृति भी रिश्तों की अहम कड़ी बने हैं। भारतीय छात्रों की सबसे बड़ी संख्या अमेरिका में पढ़ाई करतें है, जो दोनों समाजों के बीच मानवीय और सांस्कृतिक पुल का काम करती है। परंतु ताजा खबरों के हिसाब से शिक्षा के लिए भारत से जाने वाले छात्रों पर बड़ी रकम आवर्जन के लिए तय कर दी है जिससे छात्रों को और भारत सरकार को बड़ी आर्थिक हानि होने का अंदेशा भी है। भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक संबंध लगातार प्रगति तथा उन्नती पर हैं। अमेरिका भारत के लिए सबसे बड़ा निर्यातक बाजार है। वहीं, अमेरिका की कंपनियाँ भारत को उसकी विशाल जनसंख्या को मद्देनजर रख एक उभरते हुए विशाल उपभोक्ता बाजार के रूप में देखती हैं। चीन पर भारत की निर्भरता कम करने की वैश्विक रणनीति में अमेरिका तथा यूरोपीय देश भारत को विशेष स्थान देने लगे हैं। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन का बढ़ता दबदबा भारत और अमेरिका को करीब ला रहा है। संयुक्त अभ्यास, हथियार निर्माण और साइबर सुरक्षा में सहयोग इस दिशा को और मजबूत बना सकता है।एआई, क्वांटम कम्प्यूटिंग और बायोटेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में सहयोग नए अवसरों के द्वार खोल रहा है। डिजिटल इंडियाह्व और सिलिकॉन वैलीह्व का मेल इनोवेशन को नई दिशा दे सकता है।ग्रीन टेक्नोलॉजी और स्वच्छ ऊर्जा निवेश आने वाले वर्षों में दोनों देशों की साझेदारी को वैश्विक नेतृत्वकारी भूमिका में ला सकते हैं। नेट-जीरो लक्ष्यों की ओर बढ़ते कदम इसमें महत्वपूर्ण रहेंगे।हालाँकि रिश्तों में चुनौतियों की कमी नहीं है। टैरिफ, बौद्धिक संपदा अधिकार और बाजार पहुँच को लेकर मतभेद बने हुए हैं।

त्वरित, कठोर और समयानुकूल निर्णय क्षमता ही है नरेन्द्र मोदी की पहचान

आज मोदी के भारत को दुनिया का कोई देश या दुनिया का कोई नेता हल्के में नहीं ले सकता।इसका कारण भी है भारत आज आंख में आंख डाल कर बात करने की हैसियत रखता है। ट्रंप की बौखलाहट से इसे आसानी से समझा जा सकता है। मार्निंग कंसल्ट की वैश्विक मंच पर लोकप्रियता के ताजातरीन सर्वे में एक बार फिर 75 वर्षीय नरेन्द्र दामोदर दास मोदी की लोकप्रियता या यों कहें कि एप्रूवल रेट 75 प्रतिशत रही है। यह विश्व के अन्य नेताओं की तुलना में कहीं अधिक है तो दूसरी और पिछले दिनों प्यूरिसर्च की रिपोर्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर भरोसा जताने वाले केवल 40 प्रतिशत लोग ही रह गए और इनमें भी केवल मात्र 15 फीसदी ही ऐसे लोग है जो पूरी तरह से ट्रंप पर भरोसा कर रहे हैं। चुनाव के समय 81 प्रतिषत भरोसे लायक नेता पर 40 प्रतिशत अमेरिकीयों का भरोसा और इनमें से भी 25 प्रतिशत का थोड़ा भरोसा तो केवल 15 प्रतिशत अमेरिकी ही ट्रंप पर पूरी तरह से भरोसा जता रहे हैं। 59 प्रतिशत अमेरिकीयों को तो ट्रंप पर अब बिलकुल भी भरोसा नहीं रहा है। एक बात और साफ हो जानी चाहिए कि मार्निंग कंसल्ट के इस सर्वे में दूसरे पायदान पर रहने वाले दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति लीजे म्युंग को 59 प्रतिशत और अर्जेंटिना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई को 57 प्रतिशत का एप्रूवल मिला है। दरअसल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एप्रूवल देश में ही नहीं विदेशों में भी एक दंबग नेता और साफ सुथरी छवि के कारण है। इसके साथ ही कूटनीति, तकनीक, रक्षा, अर्थव्यवस्था और किसी के सामने नई झुकने की जीद ने और अधिक लोकप्रियता बढ़ा दी है। सबसे खासबात यह है कि विरोधी चाहे कितना भी शोर मचाये इसमें कोई दो राय

नहीं और इससे भी बढ़कर कि आपरेशन सिन्दुर को लेकर देशवासियों और विदेशियों किसी को भी नरेन्द्र मोदी और सेना के कथन पर किसी तरह का कोई संदेह नहीं है। देर सबेर और गाहे बेगाहे पाकिस्तान तक ऑपरेशन सिन्दुर की टीस को व्यक्त कर ही देता है। ऐसे में विरोधियों द्वारा ऑपरेशन सिन्दुर पर जिस तरह से नकारात्मकता व्यक्त की जाती हैं वह कहीं ना कहीं मोदी और मोदी सरकार की विश्वसनीयता को और अधिक बढ़ाने में ही सहायक है। यह बात इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाती है कि नरेन्द्र मोदी अपनी जीवन की अमृतवेला मना रहे है। 75 साल के नरेन्द्र मोदी जिस अदम्य साहस और दृढ़ता का परिचय दे रहे हैं और खासतौर से जिस तरह से अमेरिका और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ के आगे झुकने से पूरी तरह नकार कर लगता है अब तो ट्रंप को ही झुकने को मजबूर होने जैसे हालात कर दिए हैं। ट्रंप शायद भूल गए कि यह आज का और मोदी का हिन्दुस्तान है। आज मोदी के भारत को दुनिया का कोई देश या दुनिया का कोई नेता हल्के में नहीं ले सकता। इसका कारण भी है भारत आज आंख में आंख डाल कर बात करने की हैसियत रखता है। ट्रंप की बौखलाहट से इसे आसानी से समझा जा सकता है। दरअसल आज के दौर में वैश्विक नेता के रुप में बोल्ड होने, एग्रेसिव होने, कठोर व त्वरित निर्णय लेने वाले नेता लोगों की पसंद बनते जा रहे हैं। अच्छे बुरे परिणाम की चिंता कर निर्णय की उहापोह में फंसे नेता आज के लोगों की पसंद हो ही नहीं सकते। इसका बड़ा कारण दुनिया में वैश्विक संकटों का दौर चलना है। पर यह भी समझ लेना होगा कि दुनिया के लोग ट्रंप जैसे अंहकारी, तुगलकी निर्णय करने वाले, गली मौहल्ले के दादाओं जैसे व्यवहार करने वाले और अपने नासमझी भरे निर्णयों और फिर उन निर्णयों पर मुहं की खाने वाले नेताओ को भी पसंद नहीं करते। संकटों के दौर में लोगों का यह मानना रहता है कि हमें आलोचना प्रत्यालोचना या आगा पीछा सोच कर निर्णय लेने वाला नहीं अपितु त्वरित और कठोर निर्णय लेने वाला नेता चाहिए। और इसमें कोई दो राय नहीं कि नरेन्द्र मोदी इस पर खरे उतरे हैं। जहां तक देश और देश में मोदी विरोधियों की बात है तो यह भी अब तक साफ हो गया है कि मोदी के विरोध में जो जो नारे गढ़ गए या अभियानों में जो मोदी विरोध की आवाज बने वह सब विरोधियों पर ही भारी पड़े है। इसकी शुरूआत 2007 में गोदरा कांड के बाद चुनाव के बाद का नारा मौत का सौदागर हो या आज चौकीदार चोर है सभी नारे उल्टे पड़े हैं और देशवासियों ने इन्हें सिरे से नकारा है। चौकीदार चोर है का उत्तर देते हुए स्वयं मोदी ने इसका उपयोग मैं भी चौकीदार का जबावी नारा देकर उत्तर दिया। नारों की यह एक लंबी फेहरिस्त है जिससे देशवासी अवगत है। अब आज वोट चोर गद्दी छोड़ का नारा लगाकर या संविधान बचाओं का नारा देकर मोदी विरोध में हवा बनाने व बिहार आदि के चुनाव जीतने का सपना पाल रहे हैं पर कहीं पहले की तरह सेल्फ गोल ही साबित ना हो जाये इससे नकारा नहीं जा सकता। राममंदिर, कश्मीर में धारा 370 हटाने, कश्मीर युवाओं को मुख्यधारा में लाने, ऑपरेशन सिन्दुर, एयर स्ट्राइक, जनधन खाते, डिजिटल भुगतान, जन औषधी केन्द्र, आयुष्मान योजना, गिग इकोनोमी, रक्षा आयुधों का देश में ही उत्पादन व निर्यात, एमएसएमई सेक्टर, स्टार्टअप, यूनिकोर्न, विदेशी निवेश, सडक परिवहन विकास, आदि आदि सभी क्षेत्रों में विकास का जो दौर दिखाई दे रहा है यह ठोस और त्वरित योजनावद्ध निर्णयों का ही परिणाम है।

चुनौती नहीं अवसर है ट्रंप की वीजा नीति, 'इंडियन ब्रेन' अब भारतीय कंपनियों में ऊर्जा लगाएँ और देश को आगे बढ़ाएँ

दरअसल, ट्रंप प्रशासन का दावा है कि अमेरिकी नौकरियों की रक्षा करना उनकी प्राथमिकता है। उनके अनुसार, जब अमेरिकी विश्वविद्यालय हर साल लाखों ग्रेजुएट पैदा कर रहे हैं तो कंपनियों को चाहिए कि वे उन्हीं को प्रशिक्षित करें और काम दें। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एच-1बी वीजा को लेकर जो नया कदम उठाया है, वह केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं बल्कि वैश्विक प्रतिभा प्रवाह की दिशा बदलने वाला निर्णय सिद्ध हो सकता है। इस नीति के अंतर्गत हर वर्ष एच-1बी वीजा के लिए कंपनियों को एक लाख डॉलर (लगभग 83 लाख रुपये) शुल्क देना होगा। यह राशि वर्तमान ढांचे की तुलना में कई गुना अधिक है और सीधे-सीधे उन कंपनियों पर बोझ डालेगी जो भारतीय और चीनी पेशेवरों पर निर्भर हैं। दरअसल, ट्रंप प्रशासन का दावा है कि अमेरिकी नौकरियों की रक्षा करना उनकी प्राथमिकता है। उनके अनुसार, जब अमेरिकी विश्वविद्यालय हर साल लाखों ग्रेजुएट पैदा कर रहे हैं तो कंपनियों को चाहिए कि वे उन्हीं को प्रशिक्षित करें और काम दें। यह कदम उनके अमेरिका फर्स्टह्व एजेंडे का हिस्सा है। इसके साथ ही, प्रोजेक्ट फायरवॉलह्व नामक नई पहल भी शुरू की गई है, जिसका उद्देश्य कंपनियों द्वारा वीजा दुरुपयोग पर रोक लगाना है। ट्रंप का कहना है कि अब तक एच-1बी वीजा का इस्तेमाल कंपनियां वेतन दबाने और अमेरिकी युवाओं की नौकरियां छीनने के लिए करती रही हैं। नई व्यवस्था में कंपनियों को भारी-भरकम शुल्क चुकाना होगा, जिससे वे विवश होकर स्थानीय कर्मचारियों को प्राथमिकता देंगी। हम आपको बता दें कि अमेरिका की अधिकांश टेक कंपनियां– जिनमें माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन, मेटा और जेपी मॉर्गन जैसी दिग्गज शामिल हैं, वह भारतीय प्रतिभाओं पर काफी हद तक निर्भर हैं। केवल 2025 की पहली छमाही में ही अमेजन और उसकी क्लाउड इकाई अहर ने 12,000 से अधिक एच-1बी वीजा मंजूर करवाए। देखा जाये तो भारत अकेले लगभग 71% एच-1बी वीजा का लाभार्थी है। टेक कंपनियों का तर्क है कि अमेरिकी विश्वविद्यालय इतनी मात्रा में कुशल इंजीनियर और प्रोग्रामर तैयार नहीं कर पा रहे जो उनकी जरूरत पूरी कर सकें। इस स्थिति में भारतीय और अन्य एशियाई देशों के पेशेवर ही उनकी रीढ़ बने हुए हैं। अब ट्रंप के नये फैसले के बाद विशेषज्ञों का कहना है कि शुल्क बढ़ाने से अमेरिका अपनी नवाचार क्षमता खो सकता है और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक), सेमीकंडक्टर और एडवांस टेक्नोलॉजी की होड़ में चीन से पिछड़ सकता है। ट्रंप के फैसले का भारत पर क्या असर होगा यदि इसकी चर्चा करें तो आपको बता दें कि भारत इस नीति से सबसे अधिक प्रभावित होगा क्योंकि हर साल हजारों भारतीय इंजीनियर, डॉक्टर, वैज्ञानिक और वित्त विशेषज्ञ एच-1बी वीजा के जरिए अमेरिका जाते हैं। देखा जाये तो भारतीय युवाओं के लिए अमेरिकी नौकरी बाजार का दरवाजा सीमित हो जाएगा। इससे उनके सपनों पर असर पड़ सकता है। इसके अलावा, इंफोसिस, विप्रो और टीसीएस जैसी कंपनियां अमेरिकी प्रोजेक्ट्स के लिए बड़ी संख्या में भारतीय कर्मचारियों को अमेरिका भेजती रही हैं। नई नीति से इनकी लागत बढ़ेगी और प्रोजेक्ट्स की गति धीमी पड़ सकती है। साथ ही ट्रंप के फैसले का सबसे बड़ा असर यह हो सकता है कि अब तक जो उच्च कुशल प्रतिभा अमेरिका चली जाती थी, वह भारत में ही रहकर यहां की कंपनियों के लिए काम करेगी। देखा जाये तो ट्रंप के फैसले को केवल नकारात्मक रूप से नहीं देखा जाना चाहिए। भारत के लिए यह एक अवसर भी है। अब तक देखा गया है कि भारतीय मूल के कई दिग्गज अमेरिकी कंपनियों में शीर्ष पदों पर पहुंचे हैं। जैसे सत्य नडेला आदि। यदि यही प्रतिभा भारत में रहकर देश की कंपनियों को आगे बढ़ाती तो भारत की वैश्विक स्थिति कहीं और होती। देखा जाये तो जब वैश्विक दरवाजे सीमित होंगे तो भारत में स्टार्टअप कल्चर और मजबूत हो सकता है। भारत सरकार के पास यह मौका है कि वह उच्च कुशल पेशेवरों को आकर्षित करने के लिए टैक्स लाभ, बेहतर रिसर्च सुविधाएँ और आसान कारोबारी वातावरण उपलब्ध कराए। विकसित करे तो भारतीय युवाओं को अमेरिका जाने की आवश्यकता कम होगी। इसके अलावा, अमेरिका में काम करने वाली भारतीय प्रतिभा यदि भारत लौटती है तो सरकार को ऐसी नीतियाँ बनानी होंगी जिससे ये लोग यहां की कंपनियों को आगे बढ़ाएं। साथ ही, उच्च कौशल वाले पेशेवरों को टैक्स में छूट, आसान फंडिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर मुहैया कराकर भारतीय उद्योग को प्रतिस्पर्धी बनाया जा सकता है। इसमें कोई दो राय नहीं कि ट्रंप का यह निर्णय अमेरिका के लिए शायद तत्कालिक राजनीतिक लाभ ला सकता है, लेकिन दीर्घकाल में यह कदम उसे वैश्विक प्रतिस्पर्धा में कमजोर कर सकता है। दूसरी ओर, भारत को इसे अवसर के रूप में देखना चाहिए। अब तक कुशल भारतीय पेशेवरों का मस्तिष्क और मेहनत अमेरिकी कंपनियों के लिए संपत्ति बनता रहा है।

सीएसके का यह पूर्व खिलाड़ी बनेगा बीसीसीआई का नया अध्यक्ष ? इस रिपोर्ट में दावा, जानें मामला

मुंबई , 2 45 साल के मिथुन मनहास भारतीय क्रिकेट में लंबे समय तक घरेलू क्रिकेट के स्टार रहे। उन्होंने 157 प्रथम श्रेणी मैचों में 9,714 रन बनाए। भले ही उन्हें भारतीय टीम में खेलने का मौका नहीं मिला, लेकिन आईपीएल में वह तीन फ्रेंचाइजियों के लिए खेले। भारतीय क्रिकेट प्रशासन में जल्द ही बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि जम्मू-कश्मीर और आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेल चुके पूर्व क्रिकेटर और अनुभवी बल्लेबाज मिथुन मनहास बीसीसीआई (इउउक) के नए अध्यक्ष बन सकते हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड में हाल ही में हुई बैठक में मनहास का नाम सबसे आगे रहा। अगर मनहास बीसीसीआई अध्यक्ष चुने जाते हैं तो यह पहली बार होगा जब जम्मू-कश्मीर से कोई खिलाड़ी इस पद पर बैठेगा। जम्मू-कश्मीर से पहला बड़ा नाम 45 साल के मिथुन मनहास भारतीय क्रिकेट में लंबे समय तक घरेलू क्रिकेट के स्टार रहे।

मुझे कोई खुशी नहीं हुई ..सुशांत केस में क्लीन चिट मिलने पर फूट-फूटकर रोईं थीं रिया चक्रवर्ती, बोलीं- मेरा करीबी चला गया

एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती ने एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत मामले में काफी चर्चा में आई थीं। उन्हें इस केस में खूब बदनाम किया गया था और सुशांत को सुसाइड के लिए उकसाने जैसे गंभीर आरोप लगे थे। वहीं, पिछले दिनों रिया चक्रवर्ती को इस मामले में सीबीआई से क्लीन चिट मिल गई थी और उनको बेगुनाह बताया गया था। वहीं, अब हाल ही में रिया ने क्लीन चिट मिलने के बाद की जर्नी के बारे में बात की है। बताया है। रिया ने वह पल याद किया कि जब सुशांत की मौत केस में उनके क्लीन चिट होने की खबर आई है। वह एकदम भावुक पल था। रिया ने यह भी बताया कि इस केस का उन पर और परिवार पर क्या असर पड़ा और कैसे सबकुछ बदलकर रख दिया। हाल ही में रिया चक्रवर्ती ने मीडिया के साथ बातचीत में उस पल को याद किया कि जब सुशांत की मौत मामले में उनके क्लीन चिट होने की खबर आई। वह एकदम भावुक पल था। रिया ने यह भी बताया कि इस केस का उन पर और परिवार पर क्या असर पड़ा और कैसे सबकुछ बदलकर रख दिया। बातचीत में रिया चक्रवर्ती ने बताया कि जब उनको इस मामले में 4 साल 6 महीने बाद क्लीन चिट मिली तो वह रोने लगी थीं। उन्होंने इस बारे में कहा, श्उस दिन मेरे घर में सब रो पड़े। मैंने अपने भाई को गले लगाया और फूट-फूट कर रो पड़ी। जब मैंने पैरेंट्स को देखा, तो मुझे एहसास हुआ कि हम सब हमेशा के लिए बदल गए हैं। अब हम पहले जैसे बेफिक्र नहीं रहे। उस पल ने हमें हमेशा के लिए बदल दिया। रिया ने आगे कहा, श्जिस दिन यह हुआ, मेरी मॉम ने बताया कि न्यूज चौनल बता रहे हैं कि सीबीआई ने मुझे क्लीन चिट दे दी है। मुझे यकीन नहीं हुआ। मैंने सोचा कि यह सच नहीं हो सकता, मीडिया तो वैसे भी सच नहीं दिखाता। मैंने तब तक इंतजार किया जब तक मेरे वकील ने मुझे इसकी पुष्टि नहीं कर दी। रिया चक्रवर्ती ने कहा कि सीबीआई से क्लियरेंस मिलना उनके लिए काफी अजीब अनुभव था। वह बोलीं, जब मुझे क्लीन चिट मिली, तो मैं खुश नहीं थी। असल में, मुझे पता था कि मेरा कोई बहुत करीबी चला गया है, और इसे कोई नहीं बदल सकता। लेकिन मुझे पैरेंट्स के लिए थोड़ी राहत मिली। वो समाज में रहते हैं और लगातार लोगों का सामना करते रहते हैं। उनके लिए हालात बहुत मुश्किल हो गए थे। मुझे लगा कि शायद अब वो थोड़ा और आजादी से घूम-फिर सकेंगे। बेशक रिया चक्रवर्ती को क्लीन चिट मिलने के बाद थोड़ी राहत मिली, लेकिन एक्ट्रेस का कहना है कि इससे उन्हें पूरी खुशी कभी नहीं मिल सकती। लोगों ने कहा कि वह तुम्हारी वजह से नहीं गया। मुझे हमेशा से पता था कि मैंने कुछ नहीं किया है। लेकिन जब क्लीन चिट मिली, तब भी मुझे कोई खुशी नहीं हुई। मैं सिर्फ पैरेंट्स के लिए खुश थी। मालूम हो कि सुशांत सिंह राजपूत 14 जून 2020 को अपने बांद्रा स्थित फ्लैट में मृत पाए गए थे। इस मामले में पुलिस ने तब कथित गर्लफ्रेंड रिया चक्रवर्ती को हिरासत में ले लिया था।

मौत से कई महीने पहले जुबिन गर्ग ने बताई थी आखिरी इच्छा, कहा था-जब मैं मरूं तो मुझे ब्रह्मपुत्र में बहा देना

या अली गाने से पॉपुलर हुए असम के मशहूर सिंगर जुबीन गर्ग की अचानक मौत से हर कोई सदमे में हैं। सिंगर की 19 सितंबर को सिंगापुर में स्कूबा डाइविंग के दौरान मौत हो गई थी। इसी बीच हाल ही दिवंगत का एक पुराना इंटरव्यू वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने अपनी आखिरी इच्छा जाहिर की थी। तो आइए जानते हैं जुबीन की लास्ट विश क्या थी... जुबिन गर्ग ने जनवरी 2025 में एक दिए इंटरव्यू में बताया था कि वह अपने आखिरी दिन कैसे और कहां बिताना चाहेंगे। वह बोले थे, मैं पागल हूं। मैं अपना सब कुछ लोगों को देना चाहता हूं। अपने लिए नहीं। मैं यहां खुश हूं। मेरा अपना स्टूडियो है, यही मेरा घर है। मैं अपनी जिंदगी के आखिरी पल टिल्ला में बिताना चाहता हूं। यह जगह महाबहू ब्रह्मपुत्र रिवर हेरीटेज सेंटर के अंदर आती है। जुबिन गर्ग ने आगे कहा था, यह एक अच्छी जगह है। यह सबसे अच्छी जगहों में से एक है। यहां एक छोटा सा बंगला होगा। मैं वहीं रहूंगा और वहीं मरूंगा। जब मैं मरूं तो लोग मुझे वहीं जला दें। या फिर मुझे ब्रह्मपुत्र में बहा दें। मैं एक सिपाही हूं। मैं एक रैम्बो जैसा हूं। बता दें, रविवार को जुबीन गर्ग की अंतिम यात्रा निकाली गई, जहां उनके लाखों फैंस का हुजूम उमड़ा। गुवाहाटी से सिंगर का शव सुरक्षाबलों के बीच अर्जुन भोगेश्वर बरुआह स्पोट्र्स कॉम्प्लेक्स ले जाया गया, जहां लोगों को अंतिम दर्शन का अवसर मिला। इसके बाद शव को अंतिम संस्कार के लिए ले जाया गया।

बैटल ऑफ गलवान की शूटिंग के बीच घायल हुए सलमान खान, एक हफ्ते तक नहीं कर पाएंगे काम

सुपरस्टार सलमान खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म बैटल ऑफ गलवान को लेकर चर्चा में हैं। फिलहाल, वह इस फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। इसी बीच एक्टर को लेकर बड़ी खबर सामने आई है, जिसने उनके फैंस को चिंता में डाल दिया है। बताया जा रहा है कि सलमान खान फिल्म की शूटिंग के दौरान घायल हो गए हैं। सलमान खान हाल ही में बैटल ऑफ गलवान के लद्दाख

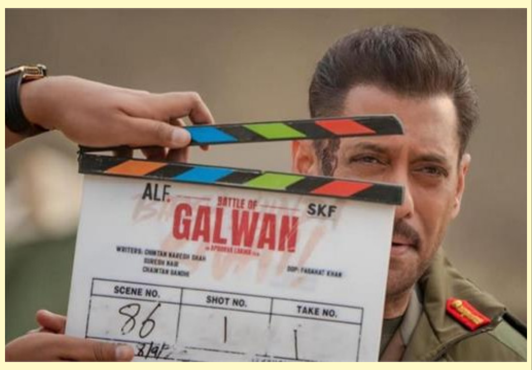

शेड्यूल की शूटिंग पूरी कर मुंबई लौटे थे और नई लोकेशन पर इसके अगले शेड्यूल की शूटिंग हो रही थी, जहां से उनके घायल होने की खबर आ रही है। एक रिपोर्ट की माने तो, सलमान खान अपनी पूरी टीम के साथ लद्दाख में 10 डिग्री से भी कम तापमान में फिल्म बैटल ऑफ गलवान की लगातार शूटिंग कर रहे थे, वो भी बिना ब्रेक लिए हुए। अब वह शूटिंग सेट पर घायल हो गए हैं। उन्होंने अपने शरीर पर लगीं चोटों से जूझते हुए, कम ऑक्सीजन और खराब मौसम में भी फिल्म की शूटिंग को पूरा किया। ऐसे में उन्हें कुछ छोटी मोटी चोटें आई हैं, जिसके चलते उन्हें शूटिंग रोकनी पड़ी। फिलहाल सलमान खान ब्रेक पर हैं और एक हफ्ते आराम करेंगे। गौरतलब है, सलमान खान को आखिरी बार फिल्म सिकंदर में देखा गयाथा, जो सिनेमाघरों में कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई। इस फ्लॉप फिल्म के बाद अब सलमान बैटल ऑफ गलवान में कोई कमी नहीं छोड़ना चाहते और इसमें जी-जान डालने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

'बैड मैन' के नाम से मशहूर गुलशन ग्रोवर ने 'गुड मैन' के भी रोल निभाए

गुलशन ग्रोवर बॉलीवुड के मशहूर खलनायक हैं, जिन्हें 'बैड मैन' के नाम से जाना जाता है। वे हिंदी फिल्मों के अलावा हॉलीवुड फिल्मों में भी काम कर चुके हैं। आज गुलशन अपना 70वां जन्मदिन मना रहे हैं। वे ज्यादातर फिल्मों में खलनायकों के रोल करते हैं, लेकिन कुछ फिल्मों में उन्होंने अच्छे और सकारात्मक किरदार भी निभाए हैं। गुलशन

ग्रोवर ने 'बैड मैन' से हटकर अच्छे किरदार निभाए हैं। इन रोल्स में वे पुलिस अधिकारी, दयालु मालिक या पिता जैसे अच्छे इंसान बने हैं। ये रोल्स दिखाते हैं कि गुलशन ग्रोवर सिर्फ विलेन ही नहीं, बल्कि बहुमुखी अभिनेता भी हैं। उन्होंने 400 से ज्यादा फिल्में की हैं, लेकिन पॉजिटिव रोल्स कम ही मिले। हाल ही में उन्होंने 'लव इन वियतनाम' और 'हीर एक्सप्रेस' में सकारात्मक किरदार निभाए। 'महासंग्राम' फिल्म 'महासंग्राम' में गुलशन ग्रोवर ने एक ईमानदार पुलिस इंस्पेक्टर का रोल किया। यह उनके कम ही देखे जाने वाले पॉजिटिव रोल्स में से एक है। फिल्म में विनोद खन्ना, माधुरी दीक्षित और गोविंदा मुख्य भूमिकाओं में थे। 'मैं कलाम' फिल्म 'मैं कलाम' में गुलशन ने एक ढाबा मालिक भाटी का किरदार निभाया, जो गरीब बच्चे चोटू की मदद करता है।

जैकलीन फर्नांडिस ने खटखटाया एससी का दरवाजा, महाठग सुकेश से जुड़े 200 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग मामले से पाना चाहती हैं छुटकारा

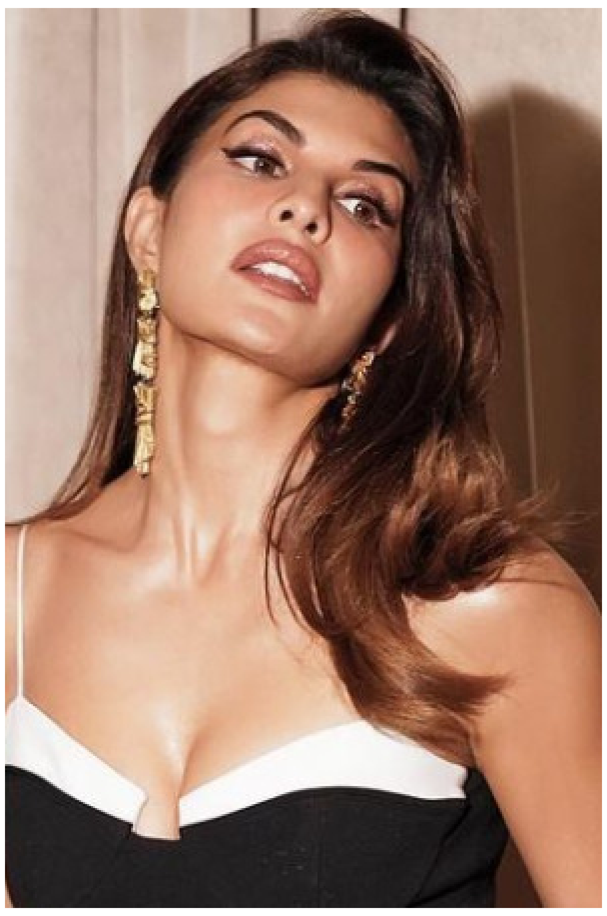

बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस एक बार फिर कानूनी मुश्किलों के चलते सुर्खियों में हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर और चल रही आपराधिक कार्यवाही को रद्द करने की मांग की है। यह मामला ठग सुकेश चंद्रशेखर के 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग केस से जुड़ा है, जिसमें उनका नाम काफी समय से चर्चा में बना हुआ है। जैकलीन के वकील ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी कि अभिनेत्री को इस बात की जानकारी नहीं थी कि सुकेश से मिले गिफ्ट्स अवैध रूप से अर्जित धन से खरीदे गए थे। उनका कहना है कि जैकलीन को इस पूरे मामले में जानबूझकर फंसाया गया है, जबकि उनका मनी लॉन्ड्रिंग या ठगी जैसी गतिविधियों से कोई लेना-देना नहीं है। जैकलीन का कहना है कि वह अपनी इमेज और करियर को बचाने के लिए इस केस से बाहर निकलना चाहती हैं। इससे पहले जैकलीन ने दिल्ली हाईकोर्ट में भी इसी मामले में याचिका लगाई थी, लेकिन अदालत ने उनकी अर्जी खारिज कर दी थी। अब हाईकोर्ट के फैसले से निराश होकर उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। पिछली सुनवाई में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने स्पष्ट कहा था कि विशेष अदालत चार्जशीट पर संज्ञान ले चुकी है, इसलिए इस चरण पर जैकलीन की याचिका स्वीकार्य नहीं है। आपको बता दें कि सुकेश चंद्रशेखर पर बड़े-बड़े बिजनेसमैन, राजनेताओं और हाई-प्रोफाइल लोगों से ठगी करने के आरोप हैं। ईडी की जांच में सामने आया कि उसने जैकलीन को करोड़ों रुपये के गिफ्ट्स दिए थे। इन गिफ्ट्स में महंगी गाड़ियां, ज्वेलरी और इंटरनेशनल डिजाइनर ब्रांड्स शामिल थे। इन्हीं गिफ्ट्स के चलते जैकलीन का नाम मनी लॉन्ड्रिंग केस से जुड़ा और उनके खिलाफ आपराधिक कार्रवाई शुरू की गई। वर्कफ्रंट की बात करें तो जैकलीन फर्नांडिस को आखिरी बार हाउसफुल 5 में देखा गया था। इस मल्टीस्टारर फिल्म में अक्षय कुमार, रितेश देशमुख, संजय दत्त, चित्रांगदा सिंह और कृति खरबंदा भी शामिल थे। हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं दिखा पाई थी और फ्लॉप साबित हुई थी।

दादासाहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित होंगे सुपरस्टार मोहनलाल, पीएम मोदी ने दी बधाई, कहा- उनकी उपलब्धियां आने वाली पीढ़ियों को..

मलयालम फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज एक्टर मोहनलाल ने हमेशा अपने कामों और अदाकारी से लोगों का दिल जीता है। वहीं, अब एक्टर को सिनेमा में योगदान के लिए दादा साहब फाल्के पुरस्कार 2023 से सम्मानित किया जाएगा। यह भारतीय सिनेमा का सर्वोच्च सम्मान है और उन्हें यह अवॉर्ड 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में 23 सितंबर 2025 को प्रदान किया जाएगा। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ग पर इसकी पुष्टि करते हुए लिखा, मोहनलाल की सिनेमाई यात्रा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा है। उन्हें एक्टर, निर्देशक और निमार्ता के रूप में भारतीय सिनेमा में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया जा रहा है। इस अचीवमेंट के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मोहनलाल को शुभकामनाएं देते हुए लिखा, मोहनलाल बहुमुखी प्रतिभा का प्रतीक हैं। मलयालम सिनेमा और रंगमंच में दशकों से उनका योगदान अद्वितीय है। केरल की संस्कृति के प्रति उनका जुनून और तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और हिंदी फिल्मों में उनके शानदार अभिनय ने उन्हें भारतीय सिनेमा का स्तंभ बना दिया है। उनकी उपलब्धियां आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेंगी। बता दें, 1960 में जन्मे मोहनलाल का करियर चार दशक से भी अधिक लंबा रहा है। उन्होंने अब तक 400 से ज्यादा फिल्मों में अभिनय किया है। मुख्य रूप से मलयालम सिनेमा में सक्रिय रहने के बावजूद उन्होंने तमिल, हिंदी, तेलुगु और कन्नड़ फिल्मों में भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। उन्होंने 18 साल की उम्र में थिरनोत्तम (1978) से अभिनय की शुरूआत की थी, हालांकि यह फिल्म 25 साल तक रिलीज नहीं हो सकी। उनका वास्तविक डेब्यू मंजिल विरिंजा पुक्कल (1980) से हुआ, जिसमें उन्होंने एक नेगेटिव किरदार निभाया था। इसके बाद एक्टर ने इंडस्ट्री को एक से बढ़ एक हिट फिल्में दीं। मोहनलाल को 2001 में पद्म श्री और 2019 में पद्म भूषण से नवाजा गया। वह अब तक 5 राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार अपने नाम कर चुके हैं।

गुवाहाटी में निकाली गई जुबीन गर्ग की अंतिम यात्रा, फैंस ने नम आंखों से दी विदाई

सिंगर जुबीन गर्ग का बीते 19 सितंबर, 2025 को निधन हो गया था, जिससे उनके फैंस और इंडस्ट्री को गहरा झटका लगा। वहीं, दिवंगत को श्रद्धांजलि के तौर पर असम में तीन दिनों राजकीय शोक घोषित किया गया

है। वहीं, रविवार को जुबीन की अंतिम यात्रा निकाली गई, जहां उनके लाखों फैंस का हुजूम उमड़ा। इस मौके पर उन्होंने नम आंखों से सिंगर को अंतिम विदाई दी। जुबीन गर्ग का शव रविवार को असम के गुवाहाटी पहुंचा और यहां से उनकी अंतिम यात्रा शुरू की गई। गुवाहाटी से सिंगर का शव सुरक्षाबलों के बीच अर्जुन भोगेश्वर बरुआह स्पोट्र्स कॉम्प्लेक्स ले जाया गया, जहां लोगों को अंतिम दर्शन का अवसर मिला। इसके बाद शव को अंतिम संस्कार के लिए ले जाया गया। जुबीन गर्ग की मौत ने संगीत जगत और उनके फैन्स को गहरे सदमे में डाल दिया। जुबीन सिंगापुर में चौथे नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल में भाग लेने पहुंचे थे, जहां समुद्र किनारे स्कूबा डाइविंग करते समय एक दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में उनका निधन हो गया। वहीं, उनकी पत्नी का कहना है कि सिंगर को दिल का दौरा पड़ने से उनकी मौत हुई है। काम की बात करें तो जुबीन ने अपने करियर में सैकड़ों गानों में आवाज दी। साल 1998 में रिलीज हुई फिल्म दिल से में उनके योगदान को आज भी याद किया जाता है। इसके अलावा उन्होंने कई सुपरहिट गानों को आवाज दी और इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बनाई।

सैफ की बहन सबा ने करीना कपूर को दी जन्मदिन की बधाई, बहन करिश्मा और मलाइका ने भी किया विश

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान आज अपना 45वां जन्मदिन मना रही हैं। इस खास दिन को सैफ अली खान की बहन सबा पटौदी ने अपनी खास विश से और भी शानदार बना दिया है। सैफ अली खान की बेगम और बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान का आज 45वां जन्मदिन है। इस खास

मौके पर सैफ की बहन सबा पटौदी ने सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी भाभी जान के साथ कई खूबसूरत तस्वीरें शेयर कीं और साथ ही बेबो को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। सबा ने दी करीना को जन्मदिन की बधाई सबा पटौदी ने आज इंस्टाग्राम पर करीना और पूरे परिवार के साथ कई शानदार तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों के साथ सबा ने कैप्शन में लिखा, 'बेबो, तुम्हारे साथ बिताए हर पल के लिए... हमारी खास सेल्फी, मेरे द्वारा खींची गई तस्वीरें, भाई या मां के साथ तुम औक बच्चे। पारिवारिक मौकों, ईद, दिवाली, जन्मदिन और बहुत कुछ के लिए... तुम सब कुछ पूरा करती हो! चमकती रहो। तुम्हें चमकदार साड़ी की जरूरत नहीं, तुम खुद ही चमक हो! तुम पर बहुत गर्व है! तुम बहुत कमाल हो! जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं। जल्द मिलते हैं। बहुत सारा प्यार।' सैफ और करीना की शादी एक-दूसरे को करीब पांच साल तक डेट करने के बाद सैफ अली खान और करीना कपूर ने 16 अक्टूबर 2012 को मुंबई में एक निजी समारोह में शादी की थी।

पाकिस्तान ने क्यों रद्द की प्रेस वार्ता? नकवी ने दिया जवाब; भारत-पाक ने मैच से पहले अभ्यास किया

दुबई , समाचार एजेंसी पीटीआई ने बताया कि पाकिस्तान ने खिलाड़ियों का तनाव कम करने के लिए प्रेरक वक्ता डॉक्टर राहील अहमद की सेवाएं लीं। ऐसी चर्चा है कि पाकिस्तान टीम में शामिल कई युवा सितारों से सजी भारतीय टीम के खिलाफ खेलने का मनोवैज्ञानिक दबाव नहीं झेल पा रहे हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को सुपर-4 का महामुकाबला खेला जाएगा। इससे पहले एक बार फिर पाकिस्तान ने अपनी बौखलाहट के सबूत देने शुरू कर दिए हैं। दरअसल, टीम ने मैच से पहले होने वाली प्रेस वार्ता रद्द कर दी। जब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी से पत्रकारों ने सवाल किया तो उन्होंने 'बाद में बात करेंगे' कहकर टाल दिया। मनोवैज्ञानिक दबाव नहीं झेल पा रही पाक टीम समाचार एजेंसी पीटीआई ने बताया कि पाकिस्तान ने खिलाड़ियों का तनाव कम करने के लिए प्रेरक वक्ता डॉक्टर राहील अहमद की सेवाएं लीं। ऐसी चर्चा है कि पाकिस्तान टीम में शामिल कई युवा सितारों से सजी भारतीय टीम के खिलाफ खेलने का मनोवैज्ञानिक दबाव नहीं झेल पा रहे हैं। डॉक्टर अहमद ने प्रत्येक खिलाड़ी से बात की ताकि पता चल सके कि दबाव के हालांत में वे मानसिक तौर पर पिछड़ क्यों जाते हैं।

चार्ली किर्क को श्रद्धांजलि देंगे राष्ट्रपति ट्रंप और MAGA अभियान के सदस्य, कड़ी सुरक्षा के बीच होगी सभा

ग्लेनडेल : राष्ट्रपति ट्रंप और उनके समर्थक चार्ली किर्क को श्रद्धांजलि देंगे, जिनकी 10 सितंबर को हत्या कर दी गई थी। यह समारोह फीनिक्स के स्टेट फार्म स्टेडियम में होगा, जहां कड़ी सुरक्षा होगी। ट्रंप ने किर्क की हत्या के लिए वामपंथी समूहों को दोषी ठहराया। उन्होंने किर्क की तारीफ करने वाले प्रस्ताव के खिलाफ मतदान करने के लिए डेमोक्रेट्स की आलोचना की। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' अभियान के प्रमुख सदस्य रविवार को दक्षिणपंथी कार्यकर्ता चार्ली किर्क को श्रद्धांजलि देंगे। किर्क की हत्या को अमेरिका की राजनीति में एक अहम घटना के रूप में देखा जा रहा है। उनके लिए आयोजित विशेष श्रद्धांजलि सभा में उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, व्हाइट हाउस के वरिष्ठ अधिकारी और अन्य युवा नेता शामिल होंगे, जिन पर किर्क का गहरा असर था। ट्रंप ने 2024 की चुनावी जीत में किर्क को अहम भूमिका निभाने वाला बताया था। किर्क की हत्या से खौफ में अमेरिकी लोग किर्क की हत्या 10 सितंबर को यूटा के एक कॉलेज परिवार में हुई थी। इस हत्याकांड ने राजनीतिक हिंसा, अभिव्यक्ति की आजादी पर तेज बहस छेड़ दी है। इस गोलीबारी से कुछ अमेरिकियों में डर पैदा हो गया है कि ट्रंप इस हत्याकांड को अपने आलोचकों व राजनीतिक विरोधियों की आवाज को दबाने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। श्रद्धांजलि सभा कहां आयोजित होगी? यह श्रद्धांजलि कार्यक्रम फीनिक्स के पश्चिम में बने स्टेट फार्म स्टेडियम में आयोजित होगा। यह स्टेडियम एनएफएल की टीम एरिजोना कार्डिनल्स का घर है और इसी जगह किर्क की संस्था टर्निंग प्वाइंट भी है। इस दौरान सुपर बाउल या अन्य बड़े आयोजनों के जैसे कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रहेगी। हत्या पर जश्न मनाने वालों कार्रवाई की चेतावनी ट्रंप प्रशासन ने किर्क पर की गई टिप्पणियों को लेकर कार्रवाई भी की है। ट्रंप ने किर्क की हत्या के लिए 'कट्टर वामपंथ' को दोषी ठहराया है और उन उदार संगठनों, दाताओं और अन्य लोगों के खिलाफ कार्रवाई

की चेतावनी दी है, जो किर्क की हत्या का जश्न मना रहे हैं या उनकी आलोचना कर रहे हैं। ट्रंप ने की डेमोक्रेट्स की निंदा ट्रंप ने प्रतिनिधि सभा में डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों की आलोचना की, क्योंकि उन्होंने किर्क के जीवन और उनके काम की तारीफ करने वाले एक प्रस्ताव के खिलाफ मतदान किया। यह प्रस्ताव शुक्रवार को रिपब्लिकन के नेतृत्व वाले सदन में पारित हुआ। ट्रंप ने पत्रकारों से कहा, इसके खिलाफ कौन मतदान कर सकता है? सभी (रिपब्लिकन) बस कह रहे थे कि कृपया एक इंसान की हत्या की निंदा करें और डेमोक्रेट्स ने कहा, नहीं, हम ऐसा नहीं करेंगे।

ट्रंप का एक लाख डॉलर वीजा शुल्क नियम आज से लागू; व्हाइट हाउस ने दूर किए भ्रम, जानें अब तक क्या-क्या हुआ

वॉशिंगट : त अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश के बाद एच-1बी वीजा पर काम करने वाले भारतीय पेशेवरों में गहरी चिंता फैल गई है। शुक्रवार को ट्रंप ने एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करते हुए ए-1बी वीजा का सालाना शुल्क बढ़ाकर एक लाख अमेरिकी डॉलर कर दिया था। नए नियमों को लेकर लोगों में भ्रम की स्थिति बनी हुई थी। हालांकि व्हाइट हाउस ने बाद में इन नियमों को लेकर स्पष्टीकरण दिया है। अमेरिका आज से एच-1बी वीजा के लिए नए आवेदकों से एक लाख डॉलर (करीब 88 लाख रुपए) शुल्क वसूलेगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को व्हाइट हाउस में इस कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे। नए नियम आज (अमेरिकी समयानुसार) यानि 21 सिंतबर से लागू हो रहे हैं। ट्रंप सरकार के इस फैसले से प्रवासियों के बीच काफी असमंजस की स्थिति बनी हुई है। हालांकि व्हाइट हाउस ने नए नियमों को लेकर स्पष्टीकरण दिया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलाइन लेविट ने शनिवार को स्पष्ट किया कि हाल ही में घोषित एक लाख डॉलर का एच-1बी वीजा शुल्क केवल नए वीजा आवेदनों पर लागू होगा और यह वार्षिक शुल्क नहीं है। वहीं, अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) ने भी स्पष्ट किया कि नया नियम केवल नए आवदेकों पर ही लागू होगा। यह स्पष्टीकरण राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा वीजा फीस बढ़ाने के आदेश पर हस्ताक्षर करने के एक दिन बाद आया है।

अगर हम तेल की खुदाई शुरू कर दें, तो अपने आप खत्म हो जाएगा युद्ध', रूस-यूक्रेन संघर्ष पर ट्रंप का बयान

वॉशिंगट, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अगर अमेरिका में तेल की खुदाई फिर शुरू हो, तो रूस-यूक्रेन युद्ध रुक सकता है। उन्होंने पुतिन पर नाराजगी जताते हुए बताया कि युद्ध में हर हफ्ते हजारों लोग मारे जा रहे हैं। यह बयान उन्होंने माउंट वर्नन में आयोजित एक रात्रिभोज कार्यक्रम में दिया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस और यूक्रेन युद्ध को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा, अगर हम तेल की खुदाई (ड्रिलिंग) दोबारा शुरू कर दें, तो यह युद्ध अपने आप रुक जाएगा। अगर तेल की कीमतें थोड़ी और नीचे आ जाएं, तो यह लड़ाई खत्म हो सकती है। ट्रंप ने अपने रूसी समकक्ष को लेकर भी भी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा, मैं राष्ट्रपति पुतिन से बहुत निराश हूं। हर हफ्ते 5000 से 700 लोगों की मौत हो रही है। उन्होंने यह बयान अमेरिकी कॉर्नस्टोन इंस्टीट्यूट की ओर से आयोजित रात्रिभोज कार्यक्रम मे दिया, जो माउंट वर्नन में आयोजित किया गया था। न्यूरोसर्जन बेन कार्सन के लिए प्रेसिडेंशियल मेडल की घोषणा एसोसिएटेड प्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने शनिवार को घोषणा की कि वह बेन कार्सन को 'प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम' से सम्मानित करेंगे। यह अमेरिका का सबसे बड़ा नागरिक सम्मान है। इस महीने ट्रंप की ओर से घोषित किया गया यह तीसरा ऐसा सम्मान है। अपने संबोधन में ट्रंप ने कहा, 'बधाई हो, बेन। उन्हें इस बारे में पहले से कुछ नहीं पता था।' उन्होंने हंसते हुए कहा, 'उन्हें यह नहीं पता था। उम्मीद है वह खुश होंगे।' बेन कार्सल एक जाने-माने न्यूरोसर्जन रह चुके हैं और उन्होंने 2016 में रिपब्लिकन पार्टी की ओर राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के लिए ट्रंप के खिलाफ चुनाव लड़ा था। बाद में ट्रंप के पहले कार्यकाल में उन्होंने आवास एवं शहरी विकास मंत्री के रूप में काम किया। एक समय बेन और ट्रंप प्रतिद्वंद्वी रहे, लेकिन बाद में उनके बीच गहरी दोस्ती हो गई। कार्सन सामाजिक रूप से रूढ़िवादी माने जाते हैं। वह गर्भपात के अधिकार और समलैंगिक विवाह के खिलाफ अपनी राय के लिए जाने जाते हैं। वह एक लोकप्रिय वक्ता और लेखक भी हैं। प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम 1963 में शुरू किया गया था। यह उन लोगों को दिया जाता है, जिन्होंने अमेरिका की सुरक्षा, राष्ट्रीय हितों, विश्व शांति, सांस्कृतिक क्षेत्र या अन्य महत्वपूर्ण जनहित के कार्यों में विशेष योगदान दिया हो।

ट्रंप के फैसले पर यूएस चैंबर ऑफ कॉमर्स ने जताई चिंता, कहा- सभी पहलुओं को समझने की कर रहे कोशिश

वॉशिंगटन : अमेरिकी चैंबर ऑफ कॉमर्स ने एच-1बी वीजा फीस बढ़ाने के ट्रंप प्रशासन के फैसले पर चिंता जताते हुए कहा कि इससे कर्मचारियों, उनके परिवारों और कंपनियों पर बुरा असर पड़ेगा। राष्ट्रपति ट्रंप के आदेश के तहत अब नए एच-1बी वीजा आवेदन पर कंपनियों को एक लाख डॉलर की एकमुश्त फीस देनी होगी, जो 21 सितंबर के बाद लागू होगी। अमेरिकी चैंबर ऑफ कॉमर्स ने एच-1बी वीजा को लेकर डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के नए नियमों पर चिंता जताई है। व्यापार संगठन ने कहा कि कर्मचारियों, उनके परिवारों और कंपनियों पर इस कदम का असर पड़ेगा। उसने बताया कि वह ट्रंप प्रशासन और अपने सदस्यों के साथ मिलकर इस फैसले के सभी पहलुओं को समझने की कोशिश कर रहा है और आगे का रास्ता तय करने पर विचार कर रहा है। दरअसल, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत एच-1बी वीजा आवेदन करने के लिए कंपनियों को एक लाख अमेरिकी डॉलर का शुल्क (फीस) देना होगा। यह नियम एच-1बी के लिए नए आवेदन पर लागू होगा। यानी पहले से दायर आवेदन नहीं लागू होगा। अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) ने स्पष्ट किया कि यह नया शुल्क केवल उन आवेदनों पर लागू होगा, जो 21 सितंबर के बाद किए जाएंगे। जिन लोगों के आवेदन पहले ही आ चुके हैं या जिनके वीजा पहले से मंजूर हैं, उन पर कोई असर नहीं होगा। यूएससीआईएस के निदेशक जोसेफ बी. एडलो ने एक ज्ञापन में यह जानकारी दी। व्हाइट हाउस ने की एच-1बी वीजा आवेदन पर नया शुल्क लगाने की पुष्टि व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलीन लेविट ने इसकी पुष्टि की और बताया कि यह शुल्क एक बार के लिए है, कोई वार्षिक शुल्क नहीं है। उन्होंने कहा कि यह नियम केवल नए वीजा आवेदनों पर लागू होगा, न की नवीकरण या पहले से जारी वीजा पर। उन्होंने यह भी बताया कि जो एच-1बी वीजा धारक अभी अमेरिका से बाहर हैं, उनसे यह शुल्क नहीं लिया जाएगा। ऐसे लोग पहले की तरह अमेरिका में आ-जा सकते हैं, उनके आने-जाने पर कोई नई रोक नहीं लगाई गई है। यह नियम अगले वीजा लॉटरी चक्र से लागू किया जाएगा। भारतीय आईटी पेशेवर होंगे सबसे अधिक प्रभावित इन नए नियम ने भारत के लिए चिंता पैदा कर दी है, क्योंकि 71-72 फीसदी एच-1बी वीजा भारतीयों को ही दिए जाते हैं। इस वजह से भारतीय तकनीकी पेशेवरों और अमेरिका से भारत आने वाले पैसे (रेमिटेंस) पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। भारत सरकार ने सभी दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों को दिया निर्देश भारत सरकार ने अपने सभी दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों को निर्देश दिया है कि अगले चौबीस घंटों में अमेरिका वापस जाने वाले भारतीय नागरिकों को हरसंभव मदद दी जाए। शनिवार को भारत सरकार ने कहा कि अमेरिका के इस फैसले से सभी तरह के प्रभावों का अध्ययन किया जा रहा है और यह फैसला मानवीय दृष्टिकोण से से कई परिवारों के लिए मुश्किलें ला सकता है। विदेश मंत्रालय ने ट्रंप प्रशासन के फैसले पर क्या कहा? विदेश मंत्रालय (एमईए) ने अपने बयान में कहा कि अमेरिका और भारत दोनों के उद्योग जगत का नवाचार (इनोवेशन) और रचनात्मका (क्रिएटिविटी) में अहम योगदान है और ऐसे में दोनों देशों के हित में है कि मिलकर आगे राह निकाली जाए। मंत्रालय ने यह भी बताया कि भारतीय उद्योग जगत इस फैसले के असर का शुरूआती मूल्यांकन कर चुका है और इसे जुड़े भ्रम को दूर करने की कोशिश की जा रही है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में ट्रंप-जेलेंस्की की होगी मुलाकात, रूस और कड़े प्रतिबंधों की करेंगे मांग

वॉशिंगटन : यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की अगले हफ्ते संयुक्त राष्ट्र महासभा में अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात कर रूस के खिलाफ कड़े प्रतिबंधों की मांग करेंगे। रूस ने हाल ही में बड़े हमले तेज किए हैं, जिससे यूरोप के पूर्वी हिस्से में सुरक्षा की चिंता बढ़ गई है। नाटो देशों ने सुरक्षा बढ़ाई है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की अगले हफ्ते न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) की बैठक के दौरान अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करेंगे। इसका मकसद रूस के खिलाफ और अधिक सख्त प्रतिबंध लगाने के लिए अमेरिका पर दबाव बनाना है। अल जजीरा की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। जेलेंस्की ने यह घोषणा शनिवार को ऐसे समय में की, जब रूस ने यूक्रेन पर हमले तेज कर दिए हैं। यूरोप के पूर्वी हिस्से में भी इस युद्ध के फैलने की आशंका को लेकर बढ़ गई है। उन्होंने एक्स पर लिखा, अब हम अमेरिका से (रूस के खिलाफ) और अभी सख्त प्रतिबंधों की उम्मीद कर रहे हैं। यूरोप अपनी भूमिका निभा रहा है। दबाव के आगे नहीं झुक रहा रूस अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप पहले संकेत दे चुके हैं कि वह रूस पर बड़े प्रतिबंध लगाने को तैयार हैं। लेकिन उन्होंने शर्त रखी है कि उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के सहयोगी देश मिलकर रूस से तेल खरीब बंद करने पर सहमत हों। ट्रंप युद्धविराम की कोशिशें कर रहे हैं, लेकिन रूस अब तक ऐसे दबावों के आगे नहीं झुका है। दीर्घकालिक सुरक्षा गारंटी मांग सकते हैं जेलेंस्की जेलेंस्की इस बैठक में यह मुद्दा भी उठाएंगे कि युद्धविराम के बाद यूक्रेन को भविष्य में रूसी हमलों कैसे सुरक्षित रखा जाए। वह अमेरिका से दीर्घकालिक सुरक्षा गारंटी की मांग कर सकते हैं। उधर, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने चेतावनी दी है कि वह यूक्रेन में किसी भी पश्चिमी सेना की तैनाती को बर्दाश्त नहीं करेंगे। रूस ने हाल में किया बड़ा हमला अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, रूस ने हाल ही में रात के समय सबसे बड़ा हमला किया, जिसमें चालीस मिसाइलें और करीब 580 ड्रोन छोड़े गए। इस हमले में तीन लोगों की मौत हुई और द जर्नों लोग घायल हुए। नाटो सहयोगियों ने रूस की आक्रामकता को देखते हुए यूरोप की पूर्वी सीमाओं पर अपनी सुरक्षा को मजबूत किया है। पोलैंड की सेना ने शनिवार को बताया कि रूसी हमलों के बाद पोलिश और सहयोगी देशों के लड़ाकू विमान

रोकथाम अभियान के तहत उड़ान भर चुके हैं। ब्रिटेन के लड़ाकू विमानों ने की पोलैंड में गश्ते इसी बीच, ब्रिटेन ने भी पुष्टि की है कि उसके लड़ाकू विमानों ने नाटों मिशन ईस्टर्न सेंट्री के तहत पहली बार पोलैंड के वायु क्षेत्र में गश्त की है, ताकि रूसी हवाई हमलों के खतरों से सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। तनाव उस समय और बढ़ गया, जब शुक्रवार को तीन रूसी लड़ाकू विमान कथित तौर पर एस्टोनिया की हवाई सीमा में घुस गए। रूस के रक्षा मंत्रालय ने इस घटना से इनकार किया है। हालांकि एस्टोनिया के अधिकारियों ने कहा कि यह घुसपैठ 12 मिनट तक रही और रडार व विजुअल निगरानी दोनों से प्रमाणित हुई है। एस्टोनिया के सैन्य खुफिया प्रमुख कर्नल एंट्स किविसेल्ग ने कहा कि अभी यह पुष्टि होना बाकी है कि यह उल्लंघन जानबूझकर किया गया था या नहीं।

'कम वेतन वाले विदेशी कामगारों से बदले जा रहे अमेरिकी कामगार', H-1इ वीजा की फीस बढ़ाने पर बोला व्हाइट हाउस

वॉशिंगटन। व्हाइट हाउस ने एच-1बी वीजा पर शुल्क (फीस) बढ़ाने के कदम जायज ठहराया और कहा कि कम वेतन वाले विदेशी कामगारों को यह वीजा दिया जा रहा था, जिससे अमेरिका में जन्मे लोगों के बीच बेरोजगारी की समस्या पैदा हो रही थी। इस फैसले ने भारतीय आईटी पेशवरों की चिंता बढ़ा दी है, क्योंकि ये वीजा सबसे ज्यादा भारतीयों को ही मिलते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एच-1बी वीजा आवेदन पर हर साल एक लाख अमेरिकी डॉलर का शुल्क लगाने का फैसला लिया है। व्हाइट हाउस ने इसका कारण बताया कि अमेरिकी कामगारों की जगह कम वेतन पाने वाले विदेशी श्रमिकों को लिया जा रहा है। व्हाइट हाउस के मुताबिक, 2003 में एच01बी वीजा धारक आईटी पेशेवर का हिस्सा 32 फीसदी था, जो अब 65 फीसदी से भी अधिक हो गया है। इससे अमेरिकी नागरिकों के लिए बेरोजगारी बढ़ी है, खासकर कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियर के स्नातकों में। व्हाइट हाउस ने यह भी कहा कि कुछ कंपनियां हजारों अमेरिकी कर्मचारियों को निकालकर एच-1बी वीजा पर विदेश कर्मचारियों को काम दे रही है। उदाहरण के दौरा पर एक कंपनी को 2025 में 5,189 एच-1बी वीजा मिले, जबकि उसने 16 हजार अमेरिकी कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया। इसी तरह अन्य कंपनियों ने भी अमेरिकी कर्मचारियों की छंटनी करते हुए बड़ी संख्या में एच-1बी वीजा लिए हैं। व्हाइट हाउस ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप का यह कदम अमेरिकी कामगारों को प्राथमिकता देने के वादे का हिस्सा है। उन्होंने यह भी दावा किया ट्रंप के कार्यकाल में जितनी नौकरियां पैदा हुईं, वह सब अमेरिका में जन्मे नागरिकों को मिली, जकि पिछले साल बाइडन प्रशासन में ज्यादातर नौकरियां विदेश में जन्में लोगों को मिली थीं। इस फैसले ने भारतीय आईटी पेशेवरों की चिंता बढ़ा दी है, क्योंकि 71-72 फीसदी एच-1बी वीजा भारतीय नागरिकों को ही मिलते हैं। इस फैसले से भारत से अमेरिका जाने वाले तकनीकी पेशेवरों और उनके परिवार पर मानवीय असर पड़ सकता है। भारत सरकार ने इस फैसले को लेकर कहा कि वह इसके सभी प्रभावों का अध्ययन कर रही है।

पाकिस्तान-चीन से निपटने के लिए बेहद खास है चाबहार बंदरगाह, अमेरिकी प्रतिबंध कितनी बड़ी चुनौती?

अमेरिका ने चाबहार पोर्ट से जुड़ी छूट को खत्म करने का एलान किया है। चाबहार पोर्ट क्या है? अमेरिका ने ये कदम क्यों उठाया? इसका भारत पर क्या असर होगा? भारत ने यहां अब तक कितने का निवेश किया है? आइये जानते ह ईरान के चाबहार पोर्ट को लेकर भारत को बड़ा झटका लगा है। ट्रंप प्रशासन ने इस पोर्ट से जुड़ी छूट को खत्म करने का एलान किया है। यह फैसला 29 सितंबर से लागू होगा। ओमान की खाड़ी में स्थित इस रणनीतिक बंदरगाह पर काम कर रहे देशों और कंपनियों पर अब प्रतिबंध लगाया जाएगा। भारत लगातार इस पोर्ट को विकसित करने में अहम भूमिका निभा रहा है। इस प्रतिबंध से ना ही सिर्फ भारत के अरबों का निवेश डूबने का खतरा है, बल्कि रणनीतिक तैयारियों को भी झटका लगेगा। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर चाबहार पोर्ट क्या है? अमेरिका ने ये कदम क्यों उठाया? इसका भारत पर क्या असर होगा? भारत ने अबतक इसमें कितने का निवेश किया है? ओमान की खाड़ी में स्थित चाबहार बंदरगाह ईरान के दक्षिणी-पूर्वी समुद्री किनारे पर बना है। यह 7,200 किलोमीटर लंबी बहु-मॉडल संपर्क परियोजना है, जो ईरान, रूस और मध्य एशिया के माध्यम से भारत को यूरोप से जोड़ता है। यह बंदरगाह भारत के पश्चिमी समुद्री तट से ईरान के दक्षिणी समुद्र तट को जोड़ता है। यह बंदरगाह कांडला से 885 किलोमीटर और मुंबई से लगभग 1,265 किलोमीटर दूर है। भारत चाबहार पोर्ट का इस्तेमाल पाकिस्तान को बाईपास करते हुए अफगानिस्तान और मध्य एशिया के साथ व्यापार करने के लिए करने वाला है। चाबहार के विकास के लिए काम कर रहा भारत भारत चाबहार बंदरगाह के एक हिस्से का विकास कर रहा है। इस बंदरगाह के विकास पर चर्चा 2003 में ईरानी राष्ट्रपति मोहम्मद खातमी की भारत यात्रा के दौरान हुई थी। 2013 में भारत ने चाबहार बंदरगाह के विकास के लिए 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर निवेश करने की बात कही।

ट्रंप ने खुद के लिए नोबेल पुरस्कार की मांग की; फिर भारत-पाकिस्तान संघर्ष रुकवाने की बात दोहराई

वॉशिंगटन/ न्यूयॉर्क , ट्रंप ने एक बार फिर से भारत-पाकिस्तान संघर्ष रोकने की बात दोहराई है, जबकि भारत ने अमेरिकी या किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता के दावे को हर बार खारिज किया है। वहीं ट्रंप ने कुल सात युद्ध को खत्म करने का दावा करते हुए खुद के लिए नोबेल पुरस्कार की भी मांग की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर बड़ा दावा करते हुए कहा कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष को व्यापार के जरिए रोक दिया। ट्रंप ने यहां तक कहा कि उन्होंने सात बड़े युद्धों को समाप्त कराया है और इसके लिए उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार मिलना चाहिए। ट्रंप ने शनिवार को अमेरिकन कॉर्नरस्टोन इंस्टीट्यूट फाउंडर डिनर में कहा, 'दुनिया में अमेरिका को अब पहले से कहीं ज्यादा सम्मान मिल रहा है। हम शांति समझौते कर रहे हैं और युद्ध रोक रहे हैं। हमने भारत और पाकिस्तान, थाईलैंड और कंबोडिया के बीच युद्ध रोके हैं।' फिर अलापा भारत-पाक संघर्ष को रोकने का राग राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष को व्यापार के जरिए रुकवाया। 'सोचिए भारत और पाकिस्तान के बारे में। मैंने उनसे कहा कि अगर वे लड़ाई करेंगे तो हम उनके साथ कोई व्यापार नहीं करेंगे।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 | Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 | Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com | सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।